कोटद्वार, शुक्रवार
24 अक्टूबर 2025
वर्ष: 47
अंक: 163 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पेड़ से लटका मिला ठेकेदार का शव

नई टिहरी। गजा–चाका मोटर मार्ग पर मातृछाया सदन के पास बीते 3 सालों से किराए पर रहने वाले बिहार मूल के ठेकेदार तैयज आलम (40) का शव पेड़ पर संदिग्ध परिस्थिति में लटका मिला। मृतक आलम बुधवार से लापता था। ठेकेदार का शव मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ठेकेदार तैयज आलम के साथ कार्य करने वाले मजदूरों ने बताया कि वह गजा सहित निकटवर्ती गांवों में पिछले 3 सालों से मकान बनाने के लिए ठेकेदारी का काम करता था। बीते दिवस जब वह कमरे में नहीं आया तो, उन्होंने गजा पुलिस चौकी में गुमशुदगी की सूचना दी। जिसके बाद साथ मजदूरों और पुलिस ने उसकी खोजबीन शुरू की। मृतक ठेकेदार की बाइक गजा से 4 किलोमीटर दूर चाका रोड पर खड़ी मिली। ढूंढने पर सड़क से ऊपर एक पेड़ पर उसका शव लटका हुआ मिला। तैयज आलम मूल रूप से ग्राम बागीचा थाना बहादुर गंज जिला किशनगंज बिहार का रहने वाला था। उसकी पत्नी अंसारी बेगम सहित पूरा परिवार बिहार में रहता है। पुलिस चौकी प्रभारी मनीष नेगी ने बताया कि फॉरेंसिक टीम को जांच के लिए घटनास्थल पर बुलाया गया है। उसके बाद ही पता चलेगा कि यह हत्या है अथवा आत्महत्या। टीम आने के बाद ही शव के पोस्टमार्टम सहित अन्य अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

सड़क किनारे युवक का शव मिलने से हड़कंप मचा

रुद्रपुर। हल्द्वानी मार्ग पर सड़क किनारे युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरुवार सुबह पुलिस को हल्द्वानी मार्ग पर युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली। एसएसआई राजेंद्र प्रसाद पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। युवक की उम्र लगभग 35 वर्ष के करीब बताई जा रही है। उसके हाथ पर जीवन गुदा हुआ है। पुलिस ने उसके बारे में जानकारी जुटाई तो स्थानीय लोगो ने बताया कि युवक को उन्होंने नशे की हालत में एक दिन पूर्व पुलिया पर बैठे देखा था। पुलिस के मुताबिक युवक के सिर पर चोट का निशान है। माना जा रहा है नशे की हालत में गिरने से सिर पर चोट लगने से उसकी मौत हो गयी। पुलिस इंटरनेट मीडिया के ग्रुपों के माध्यम से मृतक की शिनाख्त कर रही है। एसएसआई राजेंद्र प्रसाद ने कहा मृतक की शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही मृत्यु का कारण स्पष्ट होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गर्भ में पल रही बेटी को मारकर अस्पताल से लौट रही मां की कर दी हत्या

रुद्रपुर। पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में रुद्रपुर जिला अस्पताल की पूर्व महिला डाक्टर दिव्यांशी गोयल समेत पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। मृतका के पिता का आरोप है कि बेटी जब गर्भवती हुई तो ससुरालियों ने उसका जबरन लिंग परीक्षण कराया। लड़की होने का पता चलने पर नवजात का गर्भपात कराया। साथ ही अस्पताल से डिस्चार्ज होने पर जब उनकी बेटी घर आ रही थी तो ससुरालियों ने रास्ते में उसकी हत्या कर दी। आवास विकास रुद्रपुर निवासी बलराम अग्रवाल ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी ज्योति की शादी 22 अप्रैल 2023 को प्रतापपुर नानकमत्ता निवासी दिपांशु मित्तल से हुई। शादी के दौरान 51 लाख रुपये नकद, इनोवा कार, सोने की चेन, अंगुठियां, 15 लाख रुपये के कपड़े व चार लाख रुपये के बर्तन और गृहस्थी का सामान दिया था।

आरोप है शादी के बाद से दिपांशु मित्तल और उसके परिजन कम दहेज को लेकर उनकी बेटी का उत्पीड़न करने लगे। 26 दिसंबर 2023 को ज्योति ने बेटी को जन्म दिया तो उसके ससुराली और अधिक नाराज हो गए। इसके बाद दामाद दिपांशु मित्तल, सास इंदु मित्तल, ससुर सुनील मित्तल, ननद दिव्यांशी औ और जेठ हिमांशु मित्तल ने ज्योति के साथ मारपीट की। उस पर एक करोड़ रुपये और फॉर्च्यूनर लाने का दबाव बनाने लगे। वर्ष 2025 में ज्योति दोबारा गर्भवती हुई तो उसके ससुालियों ने अवैध रूप से लिंग परीक्षण करा दिया। कन्या होने की जानकारी मिलने पर उसकी ननद डॉ. दिव्यांशी गोयल (पूर्व में रुद्रपुर जिला अस्पताल में कार्यरत), सास व अन्य ने गर्भपात करवा दिया।

शीतकाल के लिए बंद हुए श्री केदारनाथ धाम के कपाट

●इस वर्ष रिकॉर्ड 17 .50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा केदार के दर्शन ●केदारपुरी परिसर हर हर महादेव और जय बाबा केदार के उद्घोषों से गूंज उठा

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट गुरुवार को (भैया दूज, कार्तिक शुक्ल सप्तमी, अनुराधा नक्षत्र) के पावन अवसर पर प्रातः 08:30 बजे विधिवत रूप से बंद हो गए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। कपाट बंद होने से पूर्व मंदिर को पुष्पों से भव्य रूप में सजाया गया। सेना के बैंड की भक्ति धुनों और जय बाबा केदार के जयघोष के साथ मंदिर परिसर श्रद्धाभाव से गूंज उठा। ठंडे मौसम के बावजूद लगभग 10 हजार श्रद्धालु कपाट बंद होने की ऐतिहासिक घड़ी के साक्षी बने।

कपाट बंद करने की प्रक्रिया के अंतर्गत ब्रह्म मुहूर्त में श्री केदारनाथ धाम के मुख्य पुजारी बागेश लिंग एवं आचार्यगणों द्वारा यज्ञ, हवन एवं समाधि पूजन किया गया। तत्पश्चात भगवान केदारनाथ के स्वयंभू शिवलिंग को स्थानीय पुष्पों-कुमजा, बुकला, राख, ब्रह्मकमल, सूखे पुष्प-पत्रों से ढककर समाधि रूप दिया गया। इसके बाद गर्भगृह के द्वार जय बाबा केदार के उदघोष के साथ शीतकाल हेतु बंद किए गए। कपाट बंद होने के पश्चात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में मंदिर के पूर्वी व दक्षिणी द्वार विधिवत बंद किए गए। इसके उपरांत भगवान केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव डोली को मंदिर की परिक्रमा कर प्रथम पड़ाव रामपुर के लिए प्रस्थान कराया गया। सेना के बैंड, डोली वाहकों, पुजारियों और श्रद्धालुओं के जयघोषों से संपूर्ण धाम गुंजायमान हो उठा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वर्ष 2025 में चारधाम यात्रा के अंतर्गत रिकॉर्ड 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने धामों के दर्शन किए हैं।

कहा कि कपाट बंद होने के पश्चात शीतकालीन यात्रा को भी राज्य सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु चार धामों के शीतकालीन गद्दी स्थलों में भी पूजा अर्चना कर सकें। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से शीतकाल में भी चारों धामों के गद्दी स्थलों में आकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया। शीतकाल में भी श्रद्धालुओं के यात्रा करने से स्थानीय व्यापारियों, होमस्टे एवं होटल चालकों आदि की आजीविका निरंतर गतिमान रहेगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष केदारनाथ यात्रा का संचालन अत्यंत सुचारु एवं सफलता पूर्वक हुआ। इस वर्ष कुल 17,68,795 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए, जो पिछले वर्ष 2024 के 16,52,076 तीर्थयात्रियों की तुलना में लगभग सवा लाख अधिक है। इस अवसर पर विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रप्रयाग पूनम कठैत, बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, कृषि विपणन बोर्ड अध्यक्ष अनिल डब्बू, बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, जिलाधिकारी प्रतीक जैन, पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कोंडे, एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

बाबा केदार की डोली आज पहुंचेगी गुप्तकाशी

कपाट बंद होने के पश्चात बाबा केदार की पंचमुखी उत्सव डोली गुरूवार को प्रस्थान कर प्रथम पड़ाव रामपुर में रात्रि विश्राम हेतु पहुंचेगी। शुक्रवार को डोली श्री विश्वनाथ मंदिर, गुप्तकाशी पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम के पश्चात शनिवार, 25 अक्टूबर को शीतकालीन गद्दीस्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ के लिए प्रस्थान करेगी।

शीतकालीन प्रवास स्थल मुखबा में विराजमान हुई मां गंगा की डोली, छह माह यहीं होगी पूजा

उत्तरकाशी। गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने के बाद आज मां गंगा की उत्सव डोली भैयादूज के अवसर पर अपने शीतकालीन प्रवास मुखबा में विराजमान हो गई है। यहां पर मां गंगा के तीन दिन निर्वाण दर्शन होंगे। बीते बुधवार को शीतकाल के लिए मां गंगा की डोली गंगोत्री से मुखबा गांव से तीन किमी पहले चंडेश्वरी मंदिर में पहुंची थी। वहां पर रात्रि विश्राम के बाद आज समेश्वर देवता की अगुवाई में मुखबा स्थित गंगा मंदिर पहुंची। यहां पर ग्रामीणों ने धूप, फूल मालाओं के साथ मां गंगा का मायके में स्वागत किया। अब छह माह गंगा जी के दर्शन मुखबा में होंगे।

भाई दूज पर दर्दनाक हादसा:

कार के खाई में गिरते ही लगी आग, दंपती और बेटे की मौत, एक घायल

चमोली। उत्तराखंड के चमोली में भाई दूज पर दर्दनाक हादसा हो गया। गोपेश्वर पोखरी रोड पर खाई में गिरने से एक कार में आग लग गई। हादसे में त्रिपाठी(22) और बेटे अम्बुज त्रिपाठी(25) के साथ पोखरी के विशाल पाव गांव आए थे। यहां अनिता का मायका है। वह वहां से वापस लौट रहे थे। इस दौरान गोपेश्वर पोखरी रोड पर कार अचानक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। कार के खाई में गिरते ही उसमें आग लग गई। इस दौरान कार में सवार अरविंद, अनिता और अनन्त की जलकर मौत हो गई। वहीं, अम्बुज घायल हो गया।

अरविंद त्रिपाठी देहरादून सिंचाई विभाग में ईई थे। परिवार देहरादून में रहता था। वे दीपावली मनाने गांव आये थे। इसी दौरान अनिता भी मायके मिलने आई थी। लेकिन लौटते वक्त उनकी कार हादसे का शिकार हो गई। दंपती और उनके एक बेटे की मौत हो गई। वहीं, दूसरा बेटा गंभीर घायल है। जानकारी के अनुसार, अरविंद त्रिपाठी और अनिता त्रिपाठी बेटे अनन्त

महागठबंधन सेट, फिर भी 11 सीटों पर होगी फ्रेंडली फाइट

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के अंदर मुख्यमंत्री के चेहरे पर जिच खत्म होने के बावजूद घटक दलों के बीच सीटों का विवाद नहीं सुलझ सका। दूसरे चरण के नामांकन वापसी का आखिरी मौका भी गुरुवार को चला गया। अब 11 विधानसभा सीटों पर राजद, कांग्रेस समेत अन्य दलों के कैंडिडेट के बीच फ्रेंडली फाइट (दोस्ताना संघर्ष) होना तय है। इनमें से 5 सीटों पर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और कांग्रेस के उम्मीदवार आमने–सामने होंगे। महागठबंधन की साझा प्रेस वार्ता के दौरान इस संबंध में गुरुवार को पूछे गए सवाल पर सीपीआई माले के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि कुछ सीटों पर आपस में रणनीतिक मुकाबला होगा। एक–दो प्रतिशत इधर–उधर हो तो कोई फर्क नहीं पड़ता है। चुनाव जैसे–जैसे आगे बढ़ेगा, एक–दो प्रत्याशी का पीछे हटना चाहिए। इसलिए यह कोई बड़ी बात नहीं है। आगामी बिहार चुनाव में राजद और कांग्रेस में 5, कांग्रेस और सीपीआई में 4, राजद और वीआईपी में एक, कांग्रेस और आईआईपी में एक सीट पर आपसी मुकाबला होगा।

रानी–गंगा ट्रेन में खचाखच भीड़ के बीच युवती से छेड़छाड़

भीड़ पर पुलिस ने चटकाई लाठियां

देहरादून। देहरादून रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं. 3 पर खड़ी गोरखपुर जाने वाली रापती गंगा (15006/15005) ट्रेन के जनरल कोच में खचाखच भीड़ के बीच एक युवती ने एक यात्री पर छेड़छाड़ करने का आरोप लगा दिया। युवती के शोर मचाने पर उसके साथ मौजूद उसका भाई आगबबूला होकर आरोपित यात्री से भिड़ गया और गाली–गलौज के साथ दोनों के बीच जमकर धक्की–मुक्की हुई। पुलिस के पहुंचने पर उसने ट्रेन से उतरने के बाद प्लेटफार्म पर भी आरोपित को पीटने का प्रयास किया। कुछ देर में पुलिस ने सभी को शांत कराकर ट्रेन के अंदर घुसाया। भाई अपनी बहन को लेकर दूसरे कोच से रवाना हुआ। दीपावली व भाईदूज का त्योहार संपन्न करने के बाद और आगामी छठ पर्व मनाने के लिए गोरखपुर रूट पर जाने वाले यात्रियों की रापती गंगा ट्रेन के आने से पहले

गुरुवार को देहरादून रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ रही। दोपहर करीब 2:15 बजे ट्रेन के प्लेटफार्म पर आते ही एकदम से यात्रियों का सैलाब जनरल कोचों की तरफ बढ़ गया। सीट पाने की मारामारी को लेकर यात्रियों के बीच पहले प्रवेश करने की होड़ लग गई। काफी संघर्ष के बाद यात्री ट्रेन के अंदर प्रवेश हुए। कोई आपातकालीन खिड़की से तो कोई रेलवे ट्रैक की तरफ स्थित प्रवेश द्वार से ट्रेन के अंदर घुसा। पुलिस ने उन्हें नियंत्रित करने के लिए कई बार लाठियां चटकाई, लेकिन कोई नहीं माना। कोचों के अंदर सीट पाने को लेकर कई यात्रियों के बीच नोकझोंक हुई। सवा तीन बजे ट्रेन के खाना होने तक यात्रियों के बीच ट्रेन में सीट पाने और पहले प्रवेश करने की जद्दोजहद चलती रही।

भीड़ नियंत्रण की नहीं रही कोई व्यवस्था

रेलवे प्रशासन को आभास था कि गुरुवार को रापती गंगा ट्रेन में भीड़ का सैलाब उमड़ेगा। लेकिन इसके बावजूद यात्रियों को नियंत्रित करने के लिए कोई अतिरिक्त व्यवस्था नजर नहीं आई। सिर्फ जीआरपी और आरपीएफ के सुरक्षाकर्मी ही लाठियां चटकाकर भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास करते रहे।

लिंक, जनता और जनशताब्दी में भी रही भीड़

देहरादून से चलने वाली अधिकांश ट्रेनों में त्योहारों के समाप्त होने के बाद अपने–अपने गंतव्य को रवाना होने और आगामी छठ पर्व मनाने को घरों को जाने वाले यात्रियों की भीड़ रही।

ऑपरेशन सिंदूर पर राजनाथ सिंह का बड़ा खुलासा

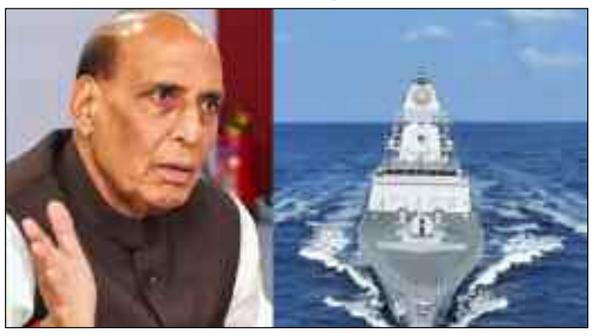

दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नौसेना की तैयारियों, पेशेवर क्षमता और ताकत की सराहना करते हुए गुरुवार को खुलासा करते हुए कहा कि भारतीय नौसेना के अपने दम–खम पर पाकिस्तानी नौसेना के युद्धपोतों को उसके तटीय क्षेत्रों से आगे नहीं बढ़ने दिया। सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और क्षमता का प्रतीक बताते हुए जोर देकर कहा कि यह दुनिया के लिए संदेश है कि भारत किसी भी तरह की चुनौती का जवाब देने के लिए हमेशा तैयार है। रक्षा मंत्री ने नौसेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान दुनिया ने नौसेना की संचालन तत्परता, पेशेवर क्षमता और ताकत देखी। उन्होंने पाकिस्तान के युद्धपोतों को बंदरगाह या उसके तट के पास ही रहने के लिए मजबूर करने वाली प्रतिरोधक स्थिति बनाने के लिए नौसेना की सराहना की।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिन्द महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारतीय नौसेना की उपस्थिति 'मित्र देशों के लिए राहत' और 'क्षेत्र को अस्थिर करने की कोशिश करने वालों के लिए बेचैनी' का सबब है। राजनाथ सिंह ने कहा, "आईओआर समकालीन भू–राजनीति का केंद्र बन गया है। यह अब निष्क्रिय नहीं रहा, यह प्रतिस्पर्धा और सहयोग का क्षेत्र बन गया है।" भारतीय नौसेना ने अपनी बहुआयामी क्षमताओं से इस क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका निभाई है। पिछले छह महीनों में भारतीय युद्धपोतों, पनडुब्बियों और नौसेना के विमानों को अभूतपूर्व पैमाने पर तैनात किया गया है।

नाग मिसाइल से लेकर तोप तक, तीनों सेनाओं को मिलेंगे घातक हथियार

दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सशस्त्र बलों को और अधिक घातक बनाने के उद्देश्य से 79000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी प्रदान की है। इस धनराशि का उपयोग तकनीक और आधुनिक हथियारों के विकास एवं अधिग्रहण में किया जाएगा, जिससे हमारे जवान और सशक्त हो सकेंगे। इन परियोजनाओं के तहत नाग मिसाइलों की खरीद सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स का निर्माण होगा, जिससे समुद्री अभियानों के माध्यम से स्थलीय संचालन अधिक सुगम हो जाएगा। उन्नत हल्के टॉरपीडो की खरीद भी होगी, जो महासागर में शत्रु पनडुब्बियों को ध्वस्त करने में सहायक सिद्ध होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद (डीएपी) की बैठक में खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद खरीद पर यह दूसरा बड़ा फैसला है। पांच अगस्त को 67000 करोड़ रुपये की खरीद परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि डीएसी ने लगभग 79 000 करोड़ रुपये की कुल लागत के विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी।

ऋषिकेश में छठपर्व के लिये ट्रैफिक प्लान तैयार

ऋषिकेश। लोकआस्था के महापर्व छठ के लिए त्रिवेणीघाट क्षेत्र में ट्रैफिक प्लान लागू किया जाएगा। 27 अक्तूबर को दोपहर बाद और 28 अक्तूबर को सुबह यह प्लान लागू किया जाएगा। त्रिवेणी घाट रोड पर दोपहिया वाहनों के प्रवेश की भी अनुमति नहीं रहेगी। छह महापर्व को लेकर श्रद्धालु अपने स्तर से तैयारी कर रहे हैं। वहीं, पुलिस भी ट्रैफिक व्यवस्था बनाने में लगी है। 25 अक्तूबर से चार दिवसीय छठ पर्व के धार्मिक आयोजन शुरू होंगे। गंगा किनारे छठ पर्व पर सूर्य देव को अर्घ्य देने का विधान इस महापर्व में है। त्रिवेणी घाट पर गंगा किनारे इसका आयोजन होता है। 27 अक्तूबर को व्रती महिलाएं अपने परिजनों के साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगी। इसके अगले दिन 28 अक्तूबर को सुबह उदयागामी सूर्य को जल चढ़ाया जाएगा। इसमें भी व्रती महिलाएं स्वजनों के साथ त्रिवेणी घाट पहुंचती हैं।

सात साल की छात्रा के साथ शिक्षक ने छेड़छाड़

रुड़की। मंगलौर क्षेत्र के एक निजी स्कूल में पढ़ने आई सात साल की छात्रा के साथ शिक्षक ने छेड़छाड़ कर दी। पीड़ित के साथ अमानवीय कृत्य किया। पुलिस ने आरोपित शिक्षक को गिरफ्तार कर चालान कर दिया है। मंगलौर कोतवाली की कस्बा लंढोरा पुलिस चौकी अंतर्गत एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी सात वर्षीय पुत्री गांव के एक निजी स्कूल में पढ़ने जाती है। स्कूल के मास्टर इसरान बच्चों को अंग्रेजी पढाता है। पिछले कई दिनों से मास्टर इसरान उसकी मासूम बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने के अलावा उसके साथ अमानवीय हरकत भी कर रहा था। आरोपी मास्टर बच्ची को घटना के संबंध में घर बताने पर उसे और उसके माता–पिता को जान से मारने की धमकी भी दे रहा था।

रिटायर्ड कर्मियों की जमापूंजी पर बुरी नजर, 8 माह में साढ़े दस करोड़ की ठगी

नैनीताल। कुमाऊं में अधिकतर सेवानिवृत्त कर्मचारियों की जमापूंजी को साइबर ठग उड़ा ले रहे हैं। आठ महीनों में साइबर ठगों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बैंक खातों से 10.41 करोड़ रुपये उड़ा लिए। साइबर थाने में 20 लाख से अधिक ठगी के 24 मामले दर्ज हुए हैं। ठगी के इन मामलों में शातिरों ने अलग–अलग तरीकों का इस्तेमाल किया। फर्जी कॉल, मैसेज, डिजिटल अरेस्ट और ईमेल के माध्यम से सरकारी नौकरी से रिटायर्ड कर्मचारियों को जाल में फंसाकर उनकी जमापूंजी हड़प ली। ऐसे में सरकारी कर्मचारियों को अपनी सुरक्षा के लिए अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है।साइबर थाना और पुलिस विभाग ने इन मामलों की जांच शुरू कर दी है। ठगों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान तो चलाए जा रहे हैं लेकिन लोगों का जागरूक होना जरूरी है। साइबर अपराध से बचने का एकमात्र उपाय है जागरुकता। अंजान नंबर से आने वाली धमकियों से अक्सर लोग डर जाते हैं और ठगों के बताने पर सब कुछ कर लेते हैं जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान होता है। लोगों को ठगी से बचने के लिए जागरूक होना पड़ेगा। सरकारी विभागों से सेवानिवृत्त कर्मचारी ठगों के निशाने पर हैं।

—मणिकांत मिश्रा, एसएसपी

डिजिटल अरेस्ट के मामले बढ़े: बुजुर्ग लोगों को डिजिटल अरेस्ट करने के मामलों में भी वृद्धि हो रही है। साइबर ठग बुजुर्गों को फोन कर झांसा देते हैं कि उनके नाम से विदेश को स्मैक भेजी जा रही है। कोरियर उन्हें मिला है।

उज्जैन भी जुड़ेगा राम पथ वन गमन में, 15 और स्थल जोड़ने की तैयारी

नई दिल्ली। भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में भगवान राम तीर्थ यात्रा के दौरान आए थे। यहां का रामेश्वर मंदिर इसका प्रमाण माना जाता है, इसलिए अब इसे भी राम पथ वन गमन स्थलों में सम्मिलित करने की तैयारी है। अभी तक नौ जिलों के 23 स्थानों को चिन्हित किया गया था। अब उज्जैन के रामेश्वर मंदिर के अतिरिक्त बालाघाट व मंडला के कुछ स्थल, और पूर्व चिह्नित नौ जिलों के कुछ नए स्थान मिलाकर 12 से 15 नए धार्मिक स्थल जुड़ेंगे।

उज्जैन राम पथ वन गमन में शामिल

नए चिन्हित स्थलों के संबंध में लगभग एक माह के भीतर सरकार की तरफ से निर्णय होने की आशा है। इस वर्ष अंत तक

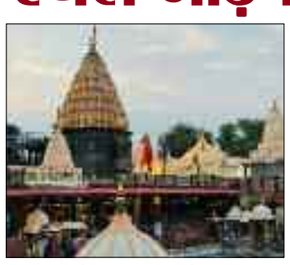

स्थानों के चिह्नांकन को अंतिम रूप देकर वर्ष 2026 से विकास कार्य प्रारंभ करने की योजना है। इसके लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बने न्यास बोर्ड नवंबर–दिसंबर में बैठक हो सकती है, जिसमें स्थलों के विकास की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। राज्य सरकार ने स्थलों के खोज की जिम्मेदारी इस संबंध में कई वर्षों से शोध कर रहे डा. राम अवतार शर्मा को दी है।

15 नए स्थल जोड़ने की तैयारी

डा. शर्मा ने बताया कि उज्जैन के रामेश्वर मंदिर के स्कंद पुराण और तापी पुराण में प्रमाण मिलते हैं। हालांकि, मंदिर अभी जीर्ण–शीर्ण स्थिति में है। उन्होंने बताया कि 12 से 15 स्थल और चिह्नित किए हैं। इनकी सूची शीघ्र की प्रदेश सरकार को उपलब्ध कराई जाएगी। बता दें कि सरकार राम पथ वन गमन स्थलों को चिह्नित कर उनका धार्मिक, पर्यटन, संस्कृति की दृष्टि से विकास करने जा रही है। इसके लिए वर्ष 2025–26 के बजट में भी 30 करोड़ रुपये की राशि का प्रविधान किया गया है।

उत्तराखंड में बीएड दाखिले अधर में: सितंबर में हो गया था एंट्रेस,अभी तक नहीं हुईं काउंसलिंग

देहरादून। उत्तराखंड में बीएड 2025–26 सत्र के दाखिले अधर में लटके हुए हैं। प्रवेश परीक्षा के करीब एक माह बाद भी काउंसलिंग शुरू नहीं हुई है। जिससे छात्र असमंजस में और उनका भविष्य संकट में है। निजी कालेज एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. सुनील अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि शासन और राज्य विश्वविद्यालयों के रवैए के कारण प्रवेश प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो पाई है। डा. अग्रवाल ने बताया कि राज्य विश्वविद्यालयों से संबद्ध कालेजों को एनसीटीई के नियमानुसार योग्य छात्रों को प्रवेश देने की अनुमति दी गई थी। इसके बाद 28 जुलाई को शासन ने आदेश जारी किया, जिसमें वर्तमान सत्र के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया

गया और परीक्षा का जिम्मा कुमाऊं विश्वविद्यालय को सौंपा गया। कुमाऊं विश्वविद्यालय ने 7 सितंबर तक प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन आमंत्रित किए। 14 सितंबर को प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई और 26 सितंबर को परिणाम घोषित किए गए। इसके बाद 27 सितंबर से काउंसलिंग शुरू करने की घोषणा हुई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। डा. अग्रवाल ने कहा कि प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों की काउंसलिंग का अब कोई औचित्य नहीं बचा है। उनका कहना है कि उत्तीर्ण छात्रों को सीधे उनके पसंद के कालेज में प्रवेश की अनुमति दी जानी चाहिए। उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, पहले प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों का प्रवेश किया जाना चाहिए, उसके बाद ही सीटें खाली रहने पर अन्य योग्य छात्रों को प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। उन्होंने बताया कि अक्टूबर समाप्त होने को है और अभी तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है, जिससे वर्तमान सत्र अधर में लटका है। इस कारण कई छात्र अन्य प्रदेशों की ओर पलायन कर रहे हैं या किसी अन्य कोर्स में प्रवेश ले रहे हैं।

सम्पादकीय

प्रवासियों से संवाद

उत्तराखंडी प्रवासियों को एक बार पुन: एक मंच पर लाने का प्रयास राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है। उत्तराखंड के प्रवासी एक सम्मेलन के दौरान सामाजिक एवं आर्थिक व्यावसायिक प्रगति को लेकर अपने विचार साझा करेंगे और उत्तराखंड के लिए अपने योगदान को पूर्ण समर्पण भाव से भविष्य में धरातल पर उतारने की कोशिश करेंगे। उत्तराखंड से बाहरजकर रोजगार और उद्योग के क्षेत्र में कई लोगों ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और उनके इस अनुभव और सफलता को उत्तराखंड के विकास के लिए भी प्रयोग में लाया जाना जरूरी है। ऐसे सम्मेलन अपनी मिट्टी से जुड़ाव का अनुभव भी एहसास कराते हैं। राज्य सरकार राज्य स्थापना जयंती वर्ष को लेकर प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन पांच नवंबर को करने जा रही है जिसमें उत्तराखंड की 25 वर्षों की यात्रा पर प्रवासी उत्तराखंडी अपने नजरिये को सामने रखेंगे। साथ ही, यह सुझाव भी देंगे कि उत्तराखंड को भविष्य में और बेहतर बनाने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। सम्मेलन में उत्तराखंड से न केवल विदेश में बल्कि भारत के अन्य राज्यों में बसे हुए उत्तराखंडी प्रवासियों को आमंत्रित किया गया है और पंजीकरण की संख्या से राज्य सरकार बेहद उत्साहित है। उत्तराखंडमें वर्ष 2024 से पहला प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें 17 राज्यों के दो सौ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। प्रवासी सम्मेलन में पर्यावरण से लेकर शिक्षा रोजगार स्वस्थ महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रवासियों की राय जानने का प्रयास किया जाएगा जो कि उत्तराखंड के हित के लिए भविष्य में लाभकारी साबित हो। प्रदेश के विकास और नई संभावनाओं की दिशा में मुख्यमंत्री प्रवासियों से सीधा संवाद करेंगे। प्रवासियों को एक मंच पर लाने और उन्हें अपनी मातृभूमि से सक्रियता से जोड़ने तथा राज्य के विकास में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह सम्मेलन उत्तराखंड से बाहर बेस लोगों को अपनी जमीन से जोड़ने का भी काम करेगा। पिछले आयोजन के अनुभव उत्साहित करने वाले रहे हैं। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन के माध्यम से प्रवासी उत्तराखंडियों के सुझाव उत्तराखंड के विकास का रोड मैप तैयार करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं और राज्य से बाहर बसे लोगों के लिए उत्तराखंड में एक मजबूत पृष्ठभूमि भी तैयार किया जा सकेगा।

जाति जनगणना के पीछे वोटों की राजनीति, नारायण मूर्ति नहीं बताएंगे जाति

अशोक शर्मा

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति और उनकी विदुषी पत्नी सुधा मूर्ति ने साफ शब्दों में कहा है वह कर्नाटक सरकार द्वारा कराई जा रही जाति जनगणना में शामिल नहीं होंगे। वह अपनी जाति नहीं बताएंगे। इस तरह के असहयोग से नाराज होकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या केंद्र सरकार द्वारा कराई जानेवाली जाति जनगणना को लेकर भी मूर्ति दंपति ऐसा ही रुख अपनाएंगे?'

हमने कहा, 'किसी व्यक्ति को जाति बताने के लिए क्यों बाध्य किया जाए? 'इंसानियत ' ही हमारी जाति है ! जाति प्रथा देश के लिए कलंक है। महात्मा गांधी ने भी जाति प्रथा और छुआछुत का विरोध किया था। उनका कहना था कि सभी इंसान एक बराबर हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भी जाति तोड़ो आंदोलन चलाया व्था और लोगों से कहा था कि जाति की पहचान करानेवाला अपना सरनेम लिखना छोड़ दें। बिहार में इसका असर पड़ा और बहुत से लोगों ने ऐसा नाम रखा जिससे जाति का पता ही नहीं चलता था।'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज लोकतंत्र के लिए चुनाव जरूरी हैं और देश के विभिन्न राज्यों में चुनाव जाति के आधार पर लड़े जाते हैं। महाराष्ट्र में कुणबी, मराठा, माली, ओबीसी जैसे वर्ग हैं। बिहार में भूमिहार, कायस्थ, यादव, दलित, महादलित जैसे वर्ग हैं। यूपी में ब्राह्मण ठाकुर, बनिया, यादव के अलावा मायावती समर्थक पिछड़ा वर्ग है। जाति के आधार पर वोटों की ताकत पहचानी

अनुसूचित जाति व जनजाति को कानूनी तौर पर आरक्षण दिया गया है। इसलिए भारत में जाति प्रथा कभी पूरी तरह नष्ट नहीं हो पाएगी।' हमने कहा, 'अब अंतर्जातीय विवाह बढ़ने लगे हैं। इससे जातिवाद दूर होने लगेगा। भगवान कृष्ण ने श्रम विभाजन के लिहाज से गीता में चातुर्वर्ण बताए थे लेकिन बाद में लोगों ने इसे जाति का रूप दे दिया। विदेश में कहीं भी जाति प्रथा नहीं है। हम तो यही कहेंगे– जात–पात पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरी का होई!' यह बहस का मुद्दा है कि माओवाद का पराभव सिर्फ सरकारी नजरिया बदलने के कारण हुआ है, या अतिवादी रणनीति तथा भारतीय राज्य के चरित्र एवं समाज की समझ संबंधी गलतियां माओवादियों को इस मुकाम तक ले आई हैं।

जाती है। समाजवाद का लोगों ने यह अर्थ निकाला था कि अपने–अपने समाज को बढ़ाओ। अनुसूचित जाति व जनजाति को कानूनी तौर पर आरक्षण दिया गया है। इसलिए भारत में जाति प्रथा कभी पूरी तरह नष्ट नहीं हो पाएगी।'

हमने कहा, 'अब अंतर्जातीय विवाह बढ़ने लगे हैं। इससे जातिवाद दूर होने लगेगा। भगवान कृष्ण ने श्रम विभाजन के लिहाज से गीता में चातुर्वर्ण बताए थे लेकिन बाद में लोगों ने इसे जाति का रूप दे दिया। विदेश में कहीं भी जाति प्रथा नहीं है। हम तो यही कहेंगे– जात–पात पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरी का होई!'

संविधान की कॉपी ग्रहण

यह बहस का मुद्दा है कि माओवाद का पराभव सिर्फ सरकारी नजरिया बदलने के कारण हुआ है, या अतिवादी रणनीति तथा भारतीय राज्य के चरित्र एवं समाज की समझ संबंधी गलतियां माओवादियों को इस मुकाम तक ले आई हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस के हाथों भारतीय संविधान की कॉपी ग्रहण कर वरिष्ठ माओवादी नेता मालोजुला वेणुगोपाल राव और उनके 60 अन्य साथियों ने समर्पण कर दिया।

इसके साथ ही फड़णवीस ने एलान किया कि उत्तर गढ़चिरौली से माओवाद का खात्मा हो गया है, जबकि दक्षिण गढ़चिरौली में इसका थोड़ा–बहुत प्रभाव बाकी है। उधर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि देश में अब 'वामपंथी चरमपंथइ से अति ग्रस्त जिलों की संख्या महज तीन रह गई है, जबकि 2025 के आरंभ में यह छह थी।

साधारण तौर पर 'वामपंथी चरमपंथइ से ग्रस्त जिलों की संख्या 18 से घट कर 11 रह गई है। गुजरे एक साल में सैकड़ों माओवादी मारे गए हैं, गिरफ्तार हुए हैं या उन्होंने समर्पण कर दिया है।

समर्पण करने वालों में कई बड़े चेहरे शामिल हैं, जिन पर करोड़ों रुपयों का इनाम घोषित था। तो इस तरह भाजपा सरकारें यह कहने की स्थिति में हैं कि 'वामपंथी चरमपंथइ को कानून–व्यवस्था की समस्या मानने का उनका नजरिया सही साबित हुआ है। कभी माओवादी पशुपतिनाथ (नेपाल) से तिरुपति (आंध्र प्रदेश) तक लाल कॉरिडोर बनाने के प्रयास में जुटे हुए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 'वामपंथी चरमपंथइ को देश की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था। मगर अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह दावा सच होने के करीब है कि फरवरी 2026 तक माओवाद का सफाया हो जाएगा।

बहरहाल, यह बहस का मुद्दा है कि माओवाद का यह पराभव सिर्फ सरकारी नजरिया बदलने के कारण हुआ है, या भारतीय राज्य के चरित्र एवं समाज की समझ संबंधी गलतियां माओवादियों को इस मुकाम तक ले आई हैं। विचारणीय है कि क्या राजनीति में अतिवादी दृष्टिकोण अपनाना और भारतीय राज्य के खिलाफ हर सामाजिक विभाजन रेखा का लाभ उठाने की उनकी रणनीति उनके लिए घातक साबित हुई? इस रणनीति के तहत धीरे–धीरे वे पहचान की राजनीति के इर्द–गिर्द गोलबंदी करने की हद तक चले गए, जिससे वे एक बंद गली में पहुंचे। इसी समय सरकार के नजरिए में आया बदलाव उन पर भारी पड़ा। नतीजा यह हुआ कि आखिरकार संवैधानिक दायरे के अंदर आने के लिए उन्हें मजबूर होना पड़ा है।

नया बांग्लादेश की घोषणा भारत के खिलाफ साजिश

अनुराग गुप्ता

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार ला मोहम्मद यूनुस ने 'नया बांग्लादेश' के जन्म की घोषणा करते हुए संयुक्त घोषणापत्र जुलाई चार्टर जारी किया है जिस पर 25 पार्टियों के नेताओं के हस्ताक्षर हैं। इससे हसीना वाजेद की पार्टी अवामी लीग को बाहर रखा गया है। यह एक बड़ी साजिश है जिसमें यूनुस ने चीन को अपना आर्थिक भागीदार बनाने की इच्छा व्यक्त करते हुए भारत के 7 पूर्वोत्तर राज्यों तथा नेपाल व भूटान को नए गठबंधन की धुरी बताया है। बांग्लादेश चाहता है कि चीन के प्रभाव में यह सारा क्षेत्र आ जाए और उसे वह अपना चटगांव बंदरगाह देकर खुश करे। नए बांग्लादेश के नाम पर वह भारत के लिए नई चुनौती पेश कर रहे हैं। बांग्लादेश का नेतृत्व चाहता है कि पूर्व प्रधानमंत्री हसीना को भारत उसके हवाले कर दे ताकि ढाका में उन्हें मौत की सजा दी जा सके।हसीना की पार्टी अवामी लीग ने धरना आंदोलन का इस जुलाई चार्टर का विरोध किया। मोहम्मद यूनुस चीन और पाकिस्तान को खुश करने में लगे हैं। वह पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रति लगाव रखते हैं और चाहते हैं कि वह बांग्लादेश की सेना से संपर्क रखे। पाकिस्तानी सेना के अफसरों ने एक प्रतिनिधि मंडल को भी यूनुस ने ढाका बुलवाया था। बांग्लादेश में चुनाव कराने की मांग को वह लगातार टाल रहे हैं। यूनुस की मनमानी नीतियों के खिलाफ बांग्लादेश में फिर विरोध पनपने लगा है और इस बात के आसार हैं कि जिस तरह नेपाल में जेन–जी या नौजवान पीढ़ी ने बगावत की वैसा ही बांग्लादेश में भी होगाजुलाई चार्टर में सुधार के 80 से अधिक प्रस्ताव हैं जिनमें लोकतांत्रिक कदमों, मानवाधिकारों व मूलाधिकारों की बात कही गई है तथा प्रशासन के सभी क्षेत्रों में संतुलन लाने का वादा किया गया है। इसके साथ ही भारत विरोधी भावनाएं भी इनमें शामिल हैं। पाकिस्तान से मोहम्मद यूनुस के लगाव की वजह से 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भाग लेनेवाले पूर्व सैनिक नाराज हैं। अंतरिम सरकार ने लगातार उनकी उपेक्षा की है।जुलाई चार्टर के नाम पर वह बांग्लादेश मुक्ति संग्राम, शेख मुजीब के संघर्ष और बलिदान को पूरी तरह मिटा देना चाहते हैं। पाकिस्तानी सेना ने बांग्लादेशियों पर जो अमानुषिक अत्याचार किए थे और भारत ने कैसे पूर्व पाकिस्तान को आजाद कर बांग्लादेश बनाने में ऐतिहासिक योगदान दिया था, उसे भुलाकर यूनुस अपने देश को चीन व पाकिस्तान की कठपुतली बनाने में लगे हैं। भारत को समय रहते इस संकट का इलाज खोजना होगा।

सोने की आसमान छूती कीमत का रहस्य क्या ?

हरीश भट्ट

सोने की लगातार आसमान छूती कीमतें हैरान कर रही हैं। सोने की कीमतें पिछले एक साल में यानी 2024 की धनतेरस के बाद से 2025 की धनतेरस तक 64 फीसदी बढ़ चुकी हैं, जबकि इसी दौरान चांदी की कीमतों में 73 फीसदी का इजाफा हुआ है। पिछली धनतेरस में जहां सोना 78,846 रुपये प्रति 10 ग्राम था, वहीं 17 अक्टूबर 2025 को यह बढ़कर 1,29,584 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। क्या यह किसी सहज आर्थिक नियम या समीकरण का नतीजा है या फिर इसके पीछे कोई गहरी साजिश या रणनीति काम कर रही है? आखिरकार सोने की इन आसमान छूती कीमतों का दीर्घकालिक नतीजा क्या होगा?क्या भारत की अर्थव्यवस्था पर इससे कोई विशेष असर पड़ सकता है, जिसे अभी हम समझ ही न पा रहे हों? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जो इन दिनों अर्थशास्त्र के जानकारों से लेकर आम लोगों तक को परेशान कर रहे हैं।

बिहार मोदी–शाह की गोद में है

हरिशंकर व्यास

हो सकता है मैं गलत हूं, फिर भी मेरा मानना है बिहार मोदी–शाह की गोद में है। तेजस्वी, राहुल गांधी, प्रशांत किशोर किसी का कोई अर्थ नहीं। इन सबकी याकि विपक्ष की दिक्कत है जो नहीं समझते कि नरेंद्र मोदी–अमित शाह चौबीस घंटे सत्ता की भूख में जीते हैं। कैसे भी हो सत्ता में रहना है। सोचें, ईस्ट इंडिया कंपनी के बनिया अंग्रेज और मोदी–शाह में क्या समानता है? फूट डालो, राज करो और खरीदो! त्रासद है उस इतिहास को याद कराना। पर तथ्य याद करें कि ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1757 में पलासी और 1764 में बक्सर के युद्ध को जीता था तो उसमें तब बिहार भी था। पता है क्लाइव की सेना में कुल तीन हजार सैनिक थे! इसमें गोरे सैनिक केवल आठ सौ थे! जबकि हिंदुस्तानी सेना में पचास हजार सैनिक थे। मगर क्लाइव ने स्थानीय जगत सेठों के पैसे का इस्तेमाल किया। मीर जाफर और उनके सैनिकों को खरीद लिया। सो, अंग्रेज बनिया जीते और फिर दो सौ साल बंगाल, बिहार और उड़ीसा को लूटा। सो, बांटना, जीतना, लूटना अंग्रेजों का बताया मंत्र है।भला मोदी–शाह की ईस्ट इंडिया कंपनी याकि ऋनी जगत सेठों के हिस्सेदारी वाली कंपनी क्यों चूके? ध्यान रहे बिहार को मोदी–शाह की टीम ही चला रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जनता दल यू पूरी तरह मोदी–शाह की राजनीति, प्रबंधकीय व्यवस्थाओं, वोट पकाने की असेंबली लाइन से निर्देशित हैं। मैंने 2017 के उत्तर प्रदेश चुनाव के बाद विश्लेषण किया था कि चुनाव का मतदान अब मोदी–शाह की असेंबली लाइन में धड़ाधड़ वोटों का उत्पादन है। इसलिए क्योंकि दोनों की गणित में ए टू जेड के सभी विकल्प हैं, जुमले हैं, प्रबंधकीय व्यवस्थाएं हैं। और यह सत्य लगातार साबित हुआ है। बिहार के मामले में अपने को इसलिए दिलचस्पी थी क्योंकि प्रशांत किशोर बिहार और मोदी–शाह को गहराई से जानते–समझते हैं तो वे कुछ ऐसा नया,

अनहोना करेंगे जिससे कुछ उलटफेर हो।

पर वे भी फेल होते लगते हैं। इसलिए क्योंकि उन्हें यह अनुमान नहीं रहा होगा कि चुनाव से ऐन पहले लगभग पूरी आबादी को अलग–अलग टुकड़ों में बांट, उनके अलग–अलग प्रतिनिधि ग्रुप बनाकर सीधे खातों में इतनी नकदी पहुंचा दी जाएगी कि घर–परिवार के लोग बाकी सब भुला देंगे। मेरा मानना है महिलाओं के खातों में दस हजार रुपए की नकदी पहुंचाना निर्णायक है। जिस प्रदेश में कुछ सौ रुपए, हजार–दो हजार रुपए के लिए लाठी चले, जान चली जाए वहां दस–दस हजार रुपए महिला के खाते में पहुंचे और उस पैसे से छठ का त्योहार मने तो वह तो उनके लिए अमृतकाल ही होगा!

कहते हैं इतनी स्कीमों, इतने बहानों की आड़ में सरकार से बिहार में पैसा बंटा है कि कोई हिसाब नहीं लग सकता। तभी ईवीएम से कथित धांधली या चुनाव आयोग की हेराफेरी या हिंदू बनाम मुस्लिम की बिहार में जरूरत नहीं होगी। बिहार का यह चुनाव सरकारी पैसे से जीता जाएगा। चुनाव में वादों से पहले ही जब पैसा बंट गया है, लोगों को खरीद लिया है तो चुनाव में भी वादों व खैरात के अलग नैरेटिव और जमीनी प्रबंध होंगे। इसलिए भाजपा–जनता दल यू की छप्पर फाड़ जीत तय है।

तभी तेजस्वी यादव, राहुल गांधी, इनके वामपंथी सहयोगी और प्रशांत किशोर धूल में लु मारते हुए हैं। प्रशांत किशोर की पहली उम्मीदवार लिस्ट में जातीय समीकरणों की चिंता है। मतलब लालू–तेजस्वी और राहुल गांधी की जातिवादी राजनीति की छाप। कोई भी नेता या पार्टी बिहार की दशा (35 साल की मंडल राजनीति में) के हवाले मतदाताओं में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी–बेगारी, असमानता, लूट–खसोट तथा कानून–व्यवस्था की स्थितियों, अपराध आदि का मसला–मुद्दा उभार नहीं पा रहा है। तेजस्वी ने पिछली बार रोजगार का हल्ला बनाया था, अभी भी हर घर में एक सरकारी नौकरी जैसी बात है पर इससे यादव नौजवानों का जनसभाओं में रैला भले बन जाए मगर मोदी–शाह ने पहले ही घर–घर अपने वोट पका लिए हैं। इसलिए बिहार का नतीजा वैसा ही होगा जैसे सौदेबाज–धंधेबाज अंग्रेज ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1776 में लड़ाई जीती थी।

जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा 2 का एलान, मेकर्स ने जारी किया पोस्टर

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर ने एक बार फिर दर्शकों को सरप्राइज दिया है। उनकी ब्लाकबस्टर फिल्म देवरा के रिलीज़ हुए एक साल पूरे होने के मौके पर इसके सीक्वल देवरा 2 की आधिकारिक घोषणा कर दी गई। यह खबर सामने आते ही फैंस सोशल मीडिया पर जश्न मना रहे हैं। पिछले साल 27 सितंबर को रिलीज हुई देवरा को तेलुगु सिनेमा की सबसे बड़ी एक्शन–ड्रामा फिल्मों में गिना गया। फिल्म में जूनियर एनटीआर ने पिता और बेटे दोनों की भूमिकाएं निभाईं, जिसे दर्शकों ने बेहद सराहा। निर्देशक कोराटाला शिवा की कहानी और शानदार प्रस्तुति ने फिल्म को यादगार बना दिया। रिलीज़ के बाद से ही चर्चा होने लगी थी कि कहानी अधूरी है और सीक्वल बनना तय है। फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि एक साल पहले जब सिनेमा में तूफ़ान उठा था, उसकी गूंज आज भी सुनाई देती है। अब वक्त है उस तूफान की अगली लहर का। इस ऐलान ने फैंस के बीच देवरा 2 को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। पहली फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान ने तेलुगु इंडस्ट्री में अपना डेब्यू किया था।

टॉक्सिक : अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स से लीक हुआ यश का लुक, दिखा एक्टर का जलवा

दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता यश इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्सज् की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। इस फिल्म से उनका लुक सोशल मीडिया पर लीक हो गया है। इनमें यश बड़ी दाढ़ी में बहुत ही हैंडसम दिख रहे हैं। सोशल मीडिया पर लीक हुए इस वीडियो में यश बालकनी में दिखाई दे रहे हैं। इसमें यश सिर्फ नीली डेनिम पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। उनका स्वैग देख सोशल मीडिया पर लोग फिल्म के लिए उत्सुकता जाहिर करते दिख रहे हैं। लोग कमेंट बॉक्स में कह रहे हैं कि बॉक्स ऑफिस पर सुनामी आने वाली है। कुछ लोग ब्लॉकबस्टर लोडिंग कहते दिखाई दिए। फिल्म की बात करें तो यह एक ऐतिहासिक गैंगस्टर ड्रामा कही जा रही है। टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स को गीतू मोहनदास और यश ने लिखा है। इस फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास है। गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक ड्रग कार्टेल की अंधेरी दुनिया के इर्द–गिर्द घूमती है, जो शक्ति, प्रेम और धोखे पर बेस्ड होगी। इस फिल्म में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कलाकार अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे।

सीरीज हारने के बाद बहाना बनाते दिखे कप्तान गिल

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा वनडे मैच अपने नाम कर लिया। इसका श्रेय उनके गेंदबाजों को जाता है। धीमी शुरूआत और दो विकेट जल्दी गंवाने के बाद भारत ने रोहित और श्रेयस के दम पर वापसी कर ली थी। हालांकि, जैम्पा ने बीच के ओवरों में चार विकेट निकालते हुए भारतीय बल्लेबाजों को सेट होने का मौका नहीं दिया। भारत कम से कम 30 रन कम बना पाया। मैथ्यू शॉर्ट की पारी ने शुरूआती झटकों के बावजूद ऑस्ट्रेलिया को मैच में बनाए रखा और फिर कूपर कॉनली ने शानदार तरीके से मैच को फिनिश किया।

निराश दिखे गिल

मैच के बाद कप्तान शुभमन गिल निराश दिखे। शुभमन गिल ने बताया कि भारत ने मैच कहां गंवाया। साथ ही रोहित शर्मा की भी पारी के बारे में बात की। गिल ने टॉस को भी लेकर अपना विचार

रखा। मैच हारने की वजह के बारे में बात करते हुए गिल ने कहा कि कैच छूटने से मुश्किले बढ़ीं।

कैच छुटने से बढ़ी मुश्किलें

मैच के बाद गिल ने कहा, मुझे लगता है हमारे पास बस पर्याप्त रन थे। हालांकि, कुछ कैच छूटे जिससे मुश्किल बढ़ी। यह कभी आसान नहीं होता। पहले मैच में बारिश के कारण टॉस ज्यादा अहम था। लेकिन इस बार उतना नहीं रहा। दोनों टीमों ने लगभग 50 ओवर खेले। शुरुआत में विकेट थोड़ा ज्यादा अच्छा खेल रहा था। लेकिन मुझे लगता है कि 15–20 ओवर के बाद विकेट अच्छी तरह जम गया।

रोहित को लेकर कही यह बात

रोहित शर्मा पर कहा, लंबे समय के बाद वापसी करना और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना कभी आसान नहीं होता। लेकिन शुरुआती दौर काफी चुनौतीपूर्ण था। जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, उससे मैं बहुत खुश हूं। शुरुआती दौर में उन्होंने डटकर मुकाबला किया। मैं कहूंगा कि वह एक बड़ी पारी खेलने से चूक गए।

भागवत में जितेंद्र कुमार के साथ नजर आएंगे अरशद वारसी

अरशद वारसी की आगामी फिल्म का एलान हुआ है। इस फिल्म में वे पंचायत फेम एक्टर जितेंद्र कुमार के साथ नजर आएंगे। फिल्म का नाम है भागवत। जी5 ने फिल्म का आधिकारिक एलान करते हुए फर्स्ट लुक पोस्टर भी शेयर किया है।

यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है, जिसमें अरशद वारसी पुलिस आफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में दर्शकों को सस्पेंस और ड्रामा दोनों का डोज मिलेगा। फिल्म इंस्पेक्टर विश्वास भागवत की कहानी पर आधारित है और यह रोल अरशद वारसी अदा कर रहे हैं। जी5 ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर करते हुए कैप्शन लिखा है, हमने सोचा था कि 2025 के सभी प्लाट ट्विस्ट खत्म हो गए हैं, लेकिन

सबसे बड़ा ट्विस्ट यहां है... भागवत आ रहे हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अक्षय शेरे के कंधों पर है। फिल्म को जियो स्टूडियोज, बावेजा स्टूडियोज और डाग एन बोन पिक्चर्स मिलकर प्रोड्यूसर कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के राबर्ट्सगंज की भयावह पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म सस्पेंस, इमोशन और ड्रामा का मिश्रण है।

प्रतीका रावल ने वर्ल्ड रिकॉर्ड की कर ली बराबरी

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की युवा बल्लेबाज प्रतीका रावल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। वह वनडे में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाली संयुक्त रूप से पहली खिलाड़ी बन गईं। प्रतीका ने तीन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के रिकॉर्ड की बराबरी भी की। महिला वनडे वर्ल्ड कप के 24 मैच में भारत और न्यूजीलैंड आमने–सामने हैं। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मैच के दौरान भारतीय सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने 11 रन के बाद बाउंड्री लगाकर अपने वनडे करियर में वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

वर्ल्ड रिकॉर्ड की कर ली बराबरी

वह वनडे में सबसे तेज 1000 रन पूरे करने वाली संयुक्त रूप से पहली खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की लिंडसे रीलर के 37 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी कर ली, जिन्होंने अपने करियर की सिर्फ 23

पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। प्रतीका ने भी अपने युवा वनडे करियर की 23वीं पारी में ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। प्रतीका ने मेग लैनिंग, लॉरा वोल्वाड्र्ट और मिताली राज जैसी कई अन्य खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। इसके अलावा प्रतीका ने साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा को सबसे तेज 1000 रन (दिन के हिसाब से) बनाने के मामले में पीछे छोड़ दिया।

महिला वनडे में सबसे तेज 1000 रन (पारी के हिसाब से)

23 – प्रतीक रावल (भारत–महिला)
23 – लिंडसे रीलर (ऑस्ट्रेलिया–महिला)
25 – मेग लैनिंग (ऑस्ट्रेलिया–महिला)
25 – निकोल बोल्टन (ऑस्ट्रेलिया–महिला)
27 – बेलिंडा क्लार्क (ऑस्ट्रेलिया–महिला)
27 – लॉरा वोल्वाड्र्ट (साउथ अफ्रीका–महिला)

दिन के हिसाब से पहली

प्रतीका रावल ने डेब्यू (22 दिसंबर, 2024) से 304 दिनों के भीतर इस उपलब्धि को हासिल कर लिया है, जो अब तक का सबसे तेज उपलब्धि है। उन्होंने लौरा वोल्वाड्र्ट के 734 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। लौरा ने 7 फरवरी, 2016 को डेब्यू किया था और 10 फरवरी, 2018 को 1000 वनडे रन पूरे किए थे।

संक्षिप्त समाचार

सात वाहन सीज, 86 के काटे चालान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद में पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कार्यवाही कर रही है। पुलिस ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में यातायात उल्लंघन करने पर सात वाहन सीज किए, जबकि 86 का चालान किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह ने बताया कि जनपद के सभी थाना/कोतवाली क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस की ओर से शराब पीकर वाहन चला रहे सात लोगों के वाहन सीज किए। कोटद्वार में पांच, लक्ष्मणझूला व यातायात कोटद्वार में एक-एक शामिल रहे। वहीं, यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 86 वाहन चालकों के चालान काटे गए।

महिलाओं को दी कानूनी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : महिला सुरक्षा एवं जागरूकता को सशक्त बनाने को लेकर कोतवाली पौड़ी और थाना देवप्रयाग की पुलिस टीमों ने विशेष अभियान चलाकर महिलाओं को कानूनी जानकारियां दी। पुलिस ने महिलाओं को साइबर अपराध, बाल अपराध, महिला संबंधित अपराध, यातायात नियम, नशामुक्ति एवं डिजिटल अरेस्ट आदि की तकनीकी जानकारियां और बचाव के तरीके बताए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में पुलिस अफसरों ने महिलाओं को गौरा शक्ति ऐप के बारे में बताया। कहा कि इस ऐप के माध्यम से महिलाएं अपनी सुरक्षा, कानूनी अधिकार व सहायता सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर सकती हैं।

खेलकूद व शैक्षिक कार्यशाला 25 से

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : त्रयंबक फाउंडेशन की पहल पर नगर क्षेत्र से सटे चंदोला राईं गांव में रन भुला-रन भुली खेलकूद एवं शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। 25 व 26 अक्तूबर को दो दिवसीय कार्यशाला होगी। फाउंडेशन के संस्थापक मेजर गोर्की चंदोला ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के तहत विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ ही एआई कॉन्क्लेव के माध्यम से युवाओं को तकनीकी एवं प्रयोगात्मक जानकारी भी दी जाएगी।

3 दिसम्बर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चमोली द्वारा आगामी 13 दिसम्बर, 2025 (शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। यह लोक अदालत जनपद चमोली के अंतर्गत जिला न्यायालय परिसर गोपेश्वर सहित बाह्य न्यायालय जोशीमठ, कर्णप्रयाग, थराली, पोखरी तथा गैरसैंण में एक साथ आयोजित होगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सीनियर सिविल जज / सचिव पुनीत कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से निस्तारण किया जायेगा। इन मामलों में फौजदारी के मामले एनआई एक्ट से संबंधित प्रकरण, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, श्रम, भूमि अर्जन, सिविल अपील व राजस्व संबंधी मामले, मनरेगा, विद्युत, जलकर, बिक्रीकर, आयकर, अप्रत्यक्ष कर, वेतन-भत्ते, वन, आपदा प्रतिकर आदि से संबंधित मामले शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य न्याय तक आमजन की सहज पहुंच सुनिश्चित करना तथा लंबित वादों का त्वरित और सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारण करना है। इस अवसर पर सभी न्यायालयों से अनुरोध किया गया है कि वे अधिक से अधिक लंबित वादों को लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित करवाने का कष्ट करें, ताकि न्याय प्रक्रिया को और अधिक सुगम एवं सुलभ बनाया जा सके।

बागवानी विकास परिषद के उपाध्यक्ष ने सुनी समस्याएं

उत्तरकाशी। पुरोला विधानसभा में दो दिवसीय क्षेत्र भ्रमण पर पहुंचे बागवानी विकास परिषद के उपाध्यक्ष राजकुमार ने नौगांव में जनता की समस्याएं सुनी और उनका समाधान करने का आश्वासन दिया।

उन्होंने आश्वस्त किया कि उनके समक्ष जो भी समस्याएं रखी जाएगी उन्हें मुख्यमंत्री के समक्ष रखकर समाधान का अनुरोध किया जाएगा।

सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वालों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत झंडीचौड़ में वरिष्ठ पत्रकार सुधींद्र नेगी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रयास पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी, महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, गढ़वाल राइफल्स के लेफ्टिनेंट कर्नल विजय तोमर, सूबेदार मेजर शैलेंद्र सिंह बिष्ट ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में साहित्य, खेल, समाज, पर्यावरण सहित विभिन्न क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए दस लोगों को सम्मानित किया गया। अतिथियों ने स्व. सुधींद्र नेगी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात राजकीय इंटर कालेज कण्वघाटी की छात्राओं ने स्वागत गीत व सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में साहित्य के क्षेत्र में डा. नंदकिशोर ढौंडियाल, खेल के क्षेत्र में मनोज

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत झंडीचौड़ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रयास पत्रिका का विमोचन करते अतिथिगण

नौडियाल, दीपक बड़थ्वाल, समाजसेवा के लिए मंजू रावत, राजेंद्र सिंह नेगी, इंदू नौटियाल, पत्रकारिता के क्षेत्र में विवेक बनियाल, महिला सशक्तिकरण के लिए अभिलाषा भारद्वाज, पर्यावरण के लिए सूर्यप्रकाश और गढवाल राइफल्स रेजीमेंट सेंटर लैंसडौन को सुधींद्र सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर सुभाष नौटियाल, सूरज कुकरेती, पार्षद जेपी बहुखंडी, अमित नेगी, पुष्पा देवी, अरूण नेगी, श्वेता देवी, सुनीता देवी, दर्शनी देवी, सुमन बिष्ट मौजूद रहे।

मार्ग निर्माण नहीं होने तक जारी रहेगा धरना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर लोगों का धरना गुरुवार को भी जारी रहा। लोगों ने मार्ग निर्माण नहीं होने तक आंदोलन को जारी रखने की चेतावनी दी है।

चिल्लरखाल चैक पोस्ट में धरने पर बैठे लोगों ने मार्ग निर्माण की मांग उठाई। कहा कि क्षेत्रवासी दशकों से मार्ग निर्माण की मांग उठा रहे हैं। हर चुनाव में मार्ग निर्माण का आश्वासन भी दिया जाता है। लेकिन, आज तक धरातल पर मार्ग निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है। नतीजा, लोग स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार को न्यायालय में मार्ग निर्माण की सख्त पैरवी करनी चाहिए। इस मौके पर प्रवीण थापा, महेश नैनवाल, अर्जुन रावत,

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत चिल्लरखाल चैक पोस्ट के समीप धरना देते लोग

रविंद्र सौंद, संजय रावत, हेमा नेगी, देवेंद्र रावत, नितिन शर्मा, ध्यान सिंह बिष्ट, आशीष काला, वीरेंद्र लखेड़ा आदि मौजूद रहे।

दो गुटों में हुई मारपीट, पुलिस वाहन पर पथराव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड की सीमा पर स्थित मोटाढांग देवरामपुर क्षेत्र में दो गुटों के बीच विवाद हो गया। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस पर एक गुट ने पथराव किया। साथ ही पुलिस हिरासत में लिए गए आरोपियों को भी छुड़वाने का प्रयास किया। मामले में पुलिस ने 14 लोगों को हिरासत में लिया है। जबकि, कई अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उपनिरीक्षक विनोद चपराना ने बताया कि गुरुवार रात मोटाढांक देवरामपुर में रामलीला का मंचन हो रहा था। इस दौरान दो गुटों के बीच विवाद हो गया। बताया कि सूचना के बाद वह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बताया कि जब वह मौके पर पहुंचकर जशोधरपुर कण्वघाटी निवासी अमन कुमार, देवरामपुर निवासी संजय वेदप्रकाश, कविता व अन्य लोगों से वार्ता कर रहे थे तो इसी दौरान शिवराजपुर निवासी आशीष डबराल मौके पर पहुंचा। बताया कि आशीष को देख संजय, कविता सहित अन्य लोग आक्रोशित हो गए और पकड़ो-पकड़ो मारो चिल्लाने लगे। साथ ही आशीष के साथ अभद्रता करने लगे। बताया कि पुलिस ने मामले को शांत करवाया और संजय, वेदप्रकाश, आशीष को पकड़कर कोतवाली लाने लगी। जैसे ही पुलिस अपने वाहन की ओर बढ़ी। पीछे से कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव करना शुरु कर दिया। साथ ही वाहन के समीप पहुंचकर आरोपितों को छुड़वाने के साथ ही आशीष डबराल को जान से मारने का प्रयास करने लगे। बताया कि घटना में पुलिस कर्मियों को चोट भी आई हुई है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि मामले में देवरामपुर निवासी कविता, कण्वघाटी जशोधरपुर निवासी अमन कुमार, पूनम, सुमन, अंजली, गुड्डी, सुनीता, ऊषा देवी, लक्ष्मी, अनीता देवी, गीता, रोहित, रीता देवी, संगीता, बबली देवी, संगीता, सुषमा देवी, गीता देवी वीरेंद्र सिंह, संजय, वेदप्रकाश सहित अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

एनएच का क्षतिग्रस्त हिस्सा ठीक न होने से लोगों में रोष

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग के क्षतिग्रस्त हिस्सों एवं लैंड स्लाइड जोन की मरम्मत ना करने पर देवप्रयाग जन अधिकार मोर्चा ने रोष व्यक्त किया है। मोर्चे के संस्थापक गणेश भट्ट ने कहा कि दो माह पूर्व 19 अगस्त को बरसात में भल्ले गांव बाजार के पास हाइवे का 40 से 50 फीट हिस्सा ढह गया था। बताया कि क्षतिग्रस्त भाग का एनएच विभागीय अधिकारियों द्वारा मौके पर मुआयना करने के बावजूद दो माह बाद भी न तो क्षतिग्रस्त हिस्से पर पुश्ता दीवार का निर्माण किया गया, ना ही देवप्रयाग से कीर्तिनगर तक हाइवे किनारे हुए लैंडस्लाइड क्षेत्र पर सुरक्षा दीवारों का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि सड़क पर एनएच विभाग के उच्च अधिकारियों, क्षेत्रीय विधायक एवं राज्य के मंत्रियों के वाहनों का आवागमन रहता है, लेकिन बावजूद इसके राजमार्ग की बदहाल स्थिति का संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। भट्ट ने कहा कि सड़क निर्माण में ठेकेदार और विभाग ने सत्ताधारी नेताओं का संरक्षण पाकर खूब भ्रष्टाचार किया था, जिससे बरसात में राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति बदत्तर हुई है। कहा कि जब वे इस भ्रष्टाचार पर जांच की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास गए, तो जांच करवाने के बदले उन्हें गिरफ्तार किया गया था। भट्ट ने कहा कि देवप्रयाग जन अधिकार मोर्चा द्वारा इस संबंध में एक शिकायती पत्र पीएमओ को भेज दिया गया है।

दिव्यांग बच्चों के दांतों की हुई जांच

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नन्हीं दुनिया भावी राष्ट्र की ओर से राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के छात्रसंघ महासचिव अनुराग कंडवाल के जन्मदिन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान दिव्यांगों के दांतों की जांच कर उन्हें दवाएं उपलब्ध करवाई गई। निंबूचौड़ स्थित दिया दिव्यांग संस्था में शिविर का आयोजन किया गया। क्रिएटिंग स्माइल डेंटर के सर्जन डा. वैभव बुड़ाकोटी ने दिव्यांग बच्चों के दांतों की जांच की। कहा कि हमें अपने दांतों की बेहतर देखभाल करनी चाहिए। कुछ भी खाने के बाद मुंह की सफाई करें। रात के समय सोने से पूर्व भी दांतों की सफाई अवश्य करें। कहा कि दांतों से संबंधित कोई भी शिकायत होने पर तुरंत चिकित्सक की सलाह लें। नन्हीं दुनिया भावी राष्ट्र के अध्यक्ष व छात्रसंघ महासचिव अनुराग कंडवाल ने बताया कि जन्मदिन पर उन्होंने रक्तदान कर आमजन को रक्तदान के प्रति जागरूक भी किया।

कोटद्वार में आयोजित शिविर में दिव्यांगों के दांतों की जांच करते चिकित्सक

कहा कि हमें अपने जन्मदिन व अन्य समारोह में रक्तदान अवश्य करना चाहिए। रक्तदान ही सबसे बड़ा दान है। इस मौके पर सिमरन बुडाकोटी, मेघा ध्यानी, विकलांग संस्था की अध्यक्ष कविता मालासी आदि मौजूद रहे।

मैदान को जाने वाले यात्रियों की दूसरे दिन भी दिखी भीड़

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दीपावली के बाद मैदान को जाने वाले यात्रियों की भीड़ दूसरे दिन भी देखने को मिली। लोगों की भीड़ को देखते हुए परिवहन विभाग ने रूटों पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया। वहीं, ट्रेन में भी लोगों की काफी भीड़ देखने को मिली।

दीपावली के बाद मैदानी रूटों पर यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। पिछले दो दिन से पहाड़ से मैदान जाने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा देखने को मिल रहा है। सबसे अधिक भीड़ दिल्ली, गुरुग्राम, देहरादून रूट पर देखने को मिल रही है। सुबह से ही बस में सीट के लिए मारामारी हो रही है। रिखणीखाल से दिल्ली जा रहे महेश कुमार ने बताया कि गुरुवार सुबह आठ बजे वह कोटद्वार बस अड्डे में पहुंच गए थे। स्टेशन पर बस पहुंचते ही सीटें

कोटद्वार में मैदानी क्षेत्र को जाने के लिए बस अड्डे में बस के इंतजार में खड़े यात्री

फुट हो गई थी। ऐसे में उन्हें दूसरी बस के लिए करीब एक घंटे का इंतजार करना पड़ा। इधर, यात्रियों की बढ़ती तादाद के चलते परिवहन निगम के कोटद्वार डिपो ने दिल्ली रूट पर चार अतिरिक्त बसें संचालित की।

गुलदार ने बछड़े पर किया हमला, दहशत में लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखण्ड कल्जीखाल क्षेत्र में गुलदार का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुलदार लगातार पशुओं पर हमला कर रहा है। गुरूवार सुबह गुलदार ने ग्राम चुरेड़ में एक बछड़े पर हमला कर घायल कर दिया। क्षेत्र में गुलदार की दहशत बनी हुई है।

ग्राम चुरेड़ के पूर्व प्रधान एवं पशुपालक बलवीर सिंह सजवाण ने बताया कि गुरूवार सुबह उन्होंने आंगन में दुधारू गाय व बछड़े को बांधा था। इस बीच अचानक गुलदार ने बछड़े पर हमला कर दिया, शोर मचाने पर गुलदार बछड़े को घायल कर भाग गया। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। पूर्व प्रधान व पशुपालक बलबीर सिंह सजवान ने इस घटना की सूचना नागदेव रेंज के वन क्षेत्राधिकारी को देकर क्षेत्र में पिंजड़ा लगाने व गश्त करने की मांग की है।

जीएमओयू की बस जल्द चलेगी पौड़ी-कांसखेत-सतपुली मार्ग पर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पौड़ी-कांसखेत-सतपुली रूट पर जल्द ही लोगों को जीएमओयू कंपनी की बस सेवा का लाभ मिलेगा। प्रमुख यातायात कंपनी जीएमओयू ने उक्त रूट पर बस सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। इस रूट पर बस चलने से स्थानीय लोगों को राहत मिलेगी। जीएमओयू के इस निर्णय का लोगों ने स्वागत किया है। जीएमओयू के मुताबिक इस रूट के लिए लोगों की डिमांड बस सेवा के लिए आ रही है। लिहाजा कंपनी इसी सप्ताह अपनी बस सेवा का संचालन शुरू कर देगी।

पौड़ी जीएमओयू के स्टेशन प्रभारी अरुण रावत ने बताया कि यह बस सेवा पौड़ी मुख्यालय से सतपुली तक संचालित की जाएगी। पौड़ी से सतपुली के बीच कांसखेत, घंडियाल, बनेख बाघाट आदि कस्बों के लोगों को आवाजाही के लिए आसानी होगी। इसके साथ ही कल्जीखाल में डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राओं को ट्रांसपोर्ट की सुविधा मिलेगी।

बस सुबह करीब साढ़े 7 बजे सतपुली से चलेगी और करीब साढ़े 10 बजे पौड़ी मुख्यालय पहुंचेगी। इसके बाद पौड़ी से दोपहर 1 बजे फिर इसी रूट से होते हुए सतपुली के लिए चलेगी। इस रूट पर करीब 5 साल बाद कोई बस सेवा शुरू होने जा रही है। कोविड से पहले इस रूट पर बस सेवा का संचालन होता था जो कोटद्वार से संचालित होती थी। इसके बाद इस रूट पर लंबे समय से बस सेवा की सुविधा लोगों के लिए नहीं मिली और छोटे वाहन ही आवाजाही का साधन है।

संतान प्राप्ति के लिए पांच दंपतियों ने कराया पंजीकरण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के ग्राम पंचायत थनुल स्थित सिद्धपीठ थानेश्वर महादेव मंदिर परिसर में एक दिवसीय बैकुंठ चतुर्दशी मेला आयोजित होगा। आगामी 4 नवंबर को आयोजित होने वाले मेले की तैयारियां समिति व ग्रामीणों ने शुरू कर दी है। बैकुंठ चतुर्दशी पर्व पर मंदिर में निसंतान दंपति संतान प्राप्ति के लिए खड़ा दीया अनुष्ठान करेंगे। अनुष्ठान के लिए अभी तक पांच दंपत्तियों ने पंजीकरण करा लिया है। इसके अलावा मेले में रात्रि जागरण व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मेले का उद्घाटन अतिथि डीसीबी के पूर्व निदेशक नरेंद्र सिंह नेगी, जिपं सदस्य गढ़कोट सविता देवी, क्षेपं सदस्य व पूर्व जिपं सदस्य संजय डबराल, उत्तराखंड क्रिकेट टीम के खिलाड़ी व थनुल के ग्रामीण हर्षवर्धन नेगी करेंगे।

गुरुवार को थानेश्वर महादेव मंदिर समिति की बैठक में मेले के सफल आयोजन को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक में समिति के अध्यक्ष जगमोहन डांगी ने बताया कि थानेश्वर महादेव मंदिर पौराणिक, धार्मिक आस्था का केंद्र है। यहां सदियों से बैकुंठ चतुर्दशी पर्व पर निःसंतान दंपत्तियां संतान प्राप्ति के लिए खडा दीया अनुष्ठान करते हैं। हर वर्ष की भांति इस वर्ष में सिद्धपीठ में एक दिवसीय बैकुंठ चतुर्दशी मेला आयोजित होगा। आगामी 4 नवंबर को शाम चार बजे थनुल गांव के पंचायत चौक से शिव ध्वजा व निसाण यात्रा निकलेगी। मंदिर की परिक्रमा के बाद शिव ध्वजा चढ़ाई जाएगी। बताया कि मंदिर परिसर में रात्रि जागरण होगा, जिसमें डौंर-थाली व ढोल सागर मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इस मौके पर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष मनमोहन सिंह, सचिव ऋषिबल्लभ डुकलान, उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

गांव लौटने लगे प्रवासी, खुल रहे बंद घरों के ताले

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के ग्राम पंचायत थनुल स्थित सिद्धपीठ थानेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आगामी 4 नवंबर को एक दिवसीय बैकुंठ चतुर्दशी मेला आयोजित होगा। मेले में शामिल होने के लिए प्रवासी गांव लौटने लगे है और कई महिनों से बंद पड़े घरों के ताले खुलने लगे है। मंदिर समिति के अध्यक्ष जगमोहन डांगी ने बताया कि विगत दो दशक से क्षेत्र में सुविधाओं के अभाव में निरंतर पलायन होने से मनियारस्यूं क्षेत्र के कई गांवों के अधिकांश घरों में ताले लग गए है। कहा कि प्रवासी मेले का सालभर बेसब्री से इंतजार करते है। क्षेत्र के प्रसिद्ध ऐतिहासिक बैकुंठ चतुर्दशी मेले के प्रति प्रवासियों की आस्था उन्हें गांव वापस भेज देती है और सालभर से बंद घर के दरवाजे खुल जाते है। कहा कि प्राचीन थानेश्वर मंदिर क्षेत्रवासियों की आस्था का केंद्र है। यहां सच्चे मन से मांगी गई मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती है। उन्होंने बताया कि मेले की सभी तैयारियां शुरू कर दी है। थानेश्वर महादेव मंदिर जाने वाले मुख्य संपर्क मार्गों की झाड़ियों को साफ किया जा रहा है।

मौसम में बदलाव, बीमार हो रहे बच्चे, बुजुर्ग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मौसम में बदलाव की वजह से बच्चों को खांसी, जुकाम व सांस की दिक्कतें हो रही हैं। वहीं बुजुर्गों में भी दिल की बीमारियां बढ़ने लगी हैं। जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या भी बढ़ गई है। इमरजेंसी में हर दिन करीब 80 से 90 मरीज पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों की मानें तो पौड़ी व आसपास के इलाकों में जहां दिन में तेज धूप है, वहीं सुबह और शाम के समय ठंड बढ़ गई है। मौसम में आए इसी उतार चढ़ाव से बच्चे और आम लोग बीमारी पड़ रहे हैं। त्योहारों के चलते अवकाश पर चल रहे विशेषज्ञ चिकित्सकों के अभाव में जिला अस्पताल की इमरजेंसी में मरीजों का अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। चिकित्सकों की मानें तो बच्चों में जहां खांसी, जुकाम और सांस की दिक्कतें हो रही हैं। वहीं बुजुर्ग भी सीने में दर्द व दिल की बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। ईएमओ डॉ. शाहरूख अली व सर्जन डॉ. मयंक चौहान ने बताया कि मौसमी बीमारियों के चलते हर रोज करीब 80 से 90 मरीज जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं, जिनका उपचार इमरजेंसी में किया जा रहा है। बताया कि बीमारों में करीब 60 फीसदी बच्चे शामिल हैं।

जबकि सीने में दर्द और दिल की बीमारियों के भी 3 से 4 मरीज पहुंच रहे हैं। बताया कि मौसम में बदलाव के चलते लोग बीमार पड़ रहे हैं। उन्होंने लोगों को पोषणयुक्त आहार लेने व गर्म पानी इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से [illegible] द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित हैं। जो उसी दिन 15:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	222-DRM-MB-25-26 dt. 17.10.2025			
कार्य का नाम	Outsourcing of Man Power normally utilized as helper for USFD machine over MB Division under Sr. DEN/C/MB.			
कार्य / सर्विस	सिंगल / टू पैकेट	टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	टेन्डर क्लोसिंग समय	अनुमानित लागत
सर्विस	टू पैकेट	18.11.2025	16.00 बजे	1,06,40,888.90
धरोहर राशि	टेन्डर फार्म की लागत	कार्य पूर्ण करने की अवधि	बिडिंग आरम्भ तिथि	आफर की वैधता
2,03,200.00	Nil	11 महीने	04.11.2025	90 दिन

टेन्डर नं.: 75/W2/3/WA/DEN/T/T. Notice, दिनांक : 22.10.2025 3283/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (ओपी), मुरादाबाद के द्वारा ई टेंडर संख्या ई-1-ओटी-स्पीडोमीटर-25 के अंतर्गत खुली निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं जिसके बंद होने की तिथि व समय 11.11.2025, 15:00 बजे है, जो उसी दिन 15:30 बजे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर खोली जाएगी। इस टेंडर के अंतर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्य का नाम	स्पीडोमीटर डेटा विश्लेषण, सीवीवीआरएस डेटा विश्लेषण सभी लोकोमोटिव [illegible] डब्लूएजी-12 लोकोमोटिव की आवाज रिकॉर्डिंग और गति विश्लेषण और एमबी डिवीजन में चालक दल के वॉयस डिटेल रिकॉर्ड का एक वर्ष की अवधि के लिए विश्लेषण का कार्य। (सरकारी नियम के अनुसार जीएसटी सहित सभी वैधानिक भुगतान, कर और शुल्क सहित)		
निविदा टाइप	खुली निविदा	बिडिंग स्टाइल	डबल पैकेट सिस्टम
निविदा बन्द होने की दिनांक एवं समय	11.11.2025 15:00 बजे	टेण्डरिंग सेक्शन	इलेक्ट्रिकल (ओपी)
एडवेरटाइज्ड वैल्यू	0,33,61,632.80 (इंक्लूडिंग ऑल [illegible] टैक्सेज एंड चार्जेज, इन्क्लूडिंग [illegible])		
धरोहर राशि (रु)	रु 1,37,200.00	ऑफर की वैधता	60 दिन
कान्ट्रेक्ट टाइप	सर्विस	कार्य की अवधि	01 वर्ष (365 दिन)

पत्रः वरि.म.वि.अभि./परि./मुर./आउटसोर्सिंग/स्पीडोमीटर विश्लेषक/03/2025 दिनांक: 21.10.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3285/25

संक्षिप्त समाचार

कमल ज्वैलर्स ने घोषित किए बंपर ड्रा के विजेता

देहरादून। कमल ज्वैलर्स ने गुरुवार को उत्तराखंड ज्वैलरी फेस्टिवल के बंपर ड्रॉ के विजेताओं की घोषणा की। एस्लेहाल स्थित शोरूम में गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने विजेताओं को पुरस्कार के रूप में एसयूवी से लेकर डायमंड सेट तक बांटे गए। कमल ज्वैलर्स के सीएमडी कमल रस्तोगी ने कहा कि उनके ब्रांड पर उत्तराखंड वासियों का हमेशा से भरोसा रहा है। जिसके चलते हमेशा उन्हें लोगों को प्यार और स्नेह मिला है। उन्होंने कहा कि फेस्टिवल सीजन में जो भी ग्राहक हमसे जुड़े थे उनके लिए 22 सितंबर से ये मेगा और लकी ड्रा योजना शुरू की गई थी।जिसमें विजेताओं के नाम की घोषणा गुरुवार को भव्य समारोह के दौरान की गई। उन्होंने बताया कि फेस्टिवल के दौरान सैकड़ों विजेता हर सप्ताह वीकली ड्रॉ के माध्यम से चुने गए, जबकि मेगा ड्रॉ में अब तक के सबसे बड़े 4,500 से अधिक गिफ्ट्स और पुरस्कार वितरित किए गए। बंपर ड्रॉ पुरस्कार के अलावा बंपर प्राइज में एक सोनेट एसयूवी कार, डायमंड नेकलेस सेट, मेगा प्राइज में आधा किलो सिल्वर बार, बोनस प्राइज में 4 गोल्ड कॉइन्स और 4 होटल स्टे आदि दिए गए। इस दौरान मुख्य अतिथि विनय शंकर पांडे ने कहा कि हर ग्राहक गुणवत्ता चाहता है। ये रहे मेगा ड्रॉ के विजेता पुष्पा पांडे होटल स्टे, एकता नौटियाल होटल स्टे,अतुल कुमार अग्रवाल होटल स्टे, ललिता पुंडीर होटल स्टे, आशा सेहगल गोल्ड कॉइन,रीना राणा गोल्ड कॉइन,विधि मिश्रा गोल्ड कॉइन,कल्पना चौहान गोल्ड कॉइन,मुकेश सिल्वर बार, डीपी भट्ट डायमंड सेट और कोमल परनवीर को सोनेट एसयूवी कार इनाम में मिली।

ग्राफिक एरा में व्यक्तित्व विकास पर की चर्चा

हल्द्वानी। ग्राफिक एरा भीमताल परिसर में गुरुवार को स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट द्वारा स्पीक फाउंडेशन के सहयोग से माइंडफुल लीडरशिप अप्लाइड बुद्धिस्ट प्रिंसिपल्स इन मैनेजमेंट विषय पर सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एमबीए के विद्यार्थियों में आत्म जागरूकता, भावनात्मक, बुद्धिमत्ता और मूल्य आधारित नेतृत्व को प्रोत्साहित किया गया। व्यक्तिगत विकास के महत्व पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने व्यावहारिक अनुभवों, प्रेरक कहानियों और जीवन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से छात्र–छात्राओं को आत्म नियंत्रण, जागरूकता और भावनात्मक संतुलन के बारे में बताया। छात्र–छात्राओं ने गौतम बुद्ध के जीवन से जुड़ी शिक्षाओं के माध्यम से धैर्य संयम और सजगता के महत्व को जाना। कार्यक्रम का संचालन स्मृति बिष्ट और रिया पांडे ने किया।

उत्तराखंड में गाड़ियों पर लगे भिंडरवाले के पोस्टर, खुफिया एजेंसियां अलर्ट

रुद्रपुर। वाहनों पर अलग अलग तरह के पोस्टर लगाने का जहां युवाओं में क्रेज है, वहीं जिले में कुछ लोग भिंडरवाले के पोस्टर भी लगा रहे हैं। इस तरह के मामले सामने आने के बाद अब पुलिस और खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। अपने वाहनों में भिंडरवाले का पोस्टर लगाकर घूम रहे वाहनों को पुलिस और खुफिया एजेंसियों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है।

मिनी पंजाब कहे जाने वाले तराई क्षेत्र में खालिस्तान समर्थकों की भारी संख्या है। 90 के दशक में खालिस्तान से जुड़ी आतंकी गतिविधियां रही हैं। बाद में तराई से खालिस्तान का पतन हो गया। लेकिन धीरे धीरे अब खालिस्तान और भिंडरवाले के समर्थन में इंटरनेट मीडिया में काफी सक्रियता दिख रही है। जिले में कई लोगों ने अपने वाहनों में भिंडरवाले के पोस्टर लगाए हैं।

मामला पुलिस और खुफिया एजेंसियों तक पहुंचा तो उन्होंने जांच शुरू कर दी है। इसके लिए पुलिस और खुफिया एजेंसियां वाहनों की जानकारी जुटाकर उनके नंबर के आधार पर स्वामी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। जिसके बाद उन्हें थाने बुलाकर उनकी पुलिस और एजेंसियां काउंसलिंग कर, ऐसे लोगों पर नजर रखेगी।

नरगोली ने जीता वॉलीबाल का उद्घाटन मैच

बागेश्वर। नवयुवक मंगल दल नरगोली के तत्वावधान में भैय्या दूज पर दो दिवसीय वॉलीबाल प्रतियोगिता शुरू हो गई है। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख दीपा देवी ने इसका शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि कमस्यार क्षेत्र ने राष्ट्रीय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी दिए हैं। इस तरह की प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को बेहतर मंच देने का काम कर रहा है। उद्घाटन मैच नरगोली की टीम ने जीता। नगगोली मैदान में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में दीपा देवी ने कहा कि आज खेलों में भी सुनहरा भविष्य है।

उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए किए विशेष प्रबंध

1 लाख 70 हजार अनारक्षित यात्रियों ने शुरू की यात्रा

21 अक्टूबर 2025 को, दिल्ली क्षेत्र के 6 प्रमुख स्टेशनों नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, शकूरबस्ती और गाजियाबाद से 1,69,986 अनारक्षित यात्रियों ने इन स्टेशनों से अपनी यात्रा प्रारम्भ की है, जो पिछले वर्ष की इसी तिथि (दिवाली के अगले दिनांक 01 नवंबर 2024) की तुलना में 5.62 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी प्रकार, 22 अक्टूबर 2025 को दिल्ली क्षेत्र के 6 प्रमुख स्टेशनों से 1,71,753 अनारक्षित यात्रियों ने इन स्टेशनों से अपनी यात्रा प्रारम्भ की है, जो पिछले वर्ष की इसी तिथि (दिवाली के दूसरे दिन 02 नवंबर 2024) की तुलना में 7.01 प्रतिशत की वृद्धि है।

रेलवे कर रहा विशेष ट्रेनें संचालित

गुरुवार को 6 गुजरने वाली विशेष ट्रेनों के अलावा, 30 विशेष ट्रेनें (नई दिल्ली से 9, दिल्ली जंक्शन से 3, आनंद विहार टर्मिनल से 8, हजरत निजामुद्दीन से 3, शकूरबस्ती से 5, रोहतक से 1 और शामली से 1) दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों से चलाई गयी। शुक्रवार 24 अक्टूबर को, दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों से 17 विशेष ट्रेनें संचालित होंगी।

जयन्त प्रतिनिधि।

दिल्ली : उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों, विशेषकर देश के पूर्वी भागों में छठ पर्व मनाने के लिए जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्था की है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, नई दिल्ली और आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशनों पर अस्थायी होल्डिंग एरिया (टेंटेज) स्थापित किए गए हैं।

इन होल्डिंग एरिया में यूटीएस टिकट काउंटर, शौचालय, एटीवीएम, खानपान स्टॉल, हक्या मैं आपकी मदद कर सकता/सकती हूँह बूथ, पीए सिस्टम आदि की व्यवस्था है। पर्याप्त रेलवे कर्मचारी यात्रियों का मार्गदर्शन और सहायता कर रहे हैं। ह्रसुरक्षित और स्वस्थ यात्राह्र के आदर्श वाक्य के साथ, दिल्ली मंडल के चिकित्सा विभाग ने त्योहारों की भीड़ के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं।

प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर प्राथमिक चिकित्सा बूथ स्थापित किए गए हैं। नई दिल्ली (यात्री सुविधा केंद्र सहित चार बूथ), पुरानी दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, शकूरबस्ती और गाजियाबाद। इनमें से प्रत्येक स्टेशन पर चौबीसों घंटे सहायता प्रदान करने के लिए एम्बुलेंस और प्रशिक्षित चिकित्सा दल मौजूद हैं। इन सुविधाओं ने प्राथमिक उपचार से लेकर आपातकालीन स्थिति में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शिशु के सुरक्षित प्रसव सहित) तक समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान की है, जिससे 16 से 21 अक्टूबर के बीच 634 से अधिक रेल यात्रियों को लाभ हुआ है। दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर नागरिक सुरक्षा कर्मी और उत्तर रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के कर्मी सहित अधिकारियों की तैनाती की गयी है और वे यात्रियों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, महिलाओं आदि का निरंतर मार्गदर्शन और सहायता कर रहे हैं।

अग्निवीर भर्ती पूर्व निशुल्क प्रशिक्षण के लिए एसओपी तैयार

– मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर खेल एवं युवा कल्याण सभी जिलों में देगा प्रशिक्षण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग सेना में अग्निवीर बनकर देश की सेवा करने के इच्छुक युवक– युवतियों को भर्ती पूर्व निशुल्क प्रशिक्षण देगा। इसके लिए विभाग ने एसओपी तैयार कर ली है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बीते दिनों खेल एवं युवा कल्याण विभाग को प्रदेश के युवाओं को अग्निवीर भर्ती के लिए प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए थे। ताकि वो उत्तराखंड की महान सैन्य परंपरा के अनुसार सेना में अपना करियर बना सके। इसी क्रम में विभाग ने युवाओं को अग्निवीर भर्ती पूर्व निशुल्क प्रशिक्षण देने की तैयारी पूरी कर ली है। जल्द ही 13 जिलों में अग्निवीरों का भर्ती पूर्व प्रशिक्षण प्रारंभ कर दिया जाएगा।

प्रमुख बातें

1.अग्निवीर भर्ती पूर्व प्रशिक्षण हेतु इच्छुक युवक– युवतियों के लिए उत्तराखण्ड राज्य का मूल / स्थायी निवासी अथवा उत्तराखण्ड राज्य में किसी संस्थान में अध्ययनरत / सेवारत होना अनिवार्य है।

2. प्रशिक्षण हेतु हाईस्कूल परीक्षा 45 प्रतिशत या उससे अधिक अंक के साथ उत्तीर्ण तथा प्रत्येक विषय में 33 प्रतिशत अंक अथवा उससे अधिक होना अनिवार्य है।

3. आयु 16 वर्ष से अधिक होना अनिवार्य है।

4. जिला खेल कार्यालय/जिला युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय में पंजीकरण कराना अनिवार्य है।

5. छात्र/छात्रा को चिकित्सक द्वारा प्रदत्त स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रमाण पत्र जमा करना होगा।

6. प्रशिक्षण के समय छात्र/छात्रा को खेल किट (वेशभूषा– टी शर्ट, नेकर, स्पोर्ट्स शूज, मौजा) में उपस्थित होना अनिवार्य है। 7. छात्र/छात्रा के शरीर पर किसी प्रकार कोई टैटू अथवा किसी प्रकार अप्राकृतिक स्थायी निशान आदि न गुदा हो।

8. इच्छुक छात्र/छात्रा को खेल स्टेडियम /खेल मैदान में नियुक्त विभागीय प्रशिक्षक द्वारा ही प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होगा। उत्तराखंड की शानदार सैन्य परंपरा रही है, यहां के प्रत्येक परिवार से कोई ना कोई सदस्य सेना में जाता ही है। इसीलिए सरकार अग्निवीर भर्ती पूर्व प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। ताकि युवा अग्निवीर के जरिए सेना को अपनी सेवाएं दे सके। प्रदेश सरकार अग्निवीरों को सेवाकाल के बाद प्रदेश की सरकारी नौकरियों में आरक्षण भी प्रदान करने का फैसला ले चुकी है। –पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री उत्तराखंड

आगराखाल ने नरेंद्रनगर को 53 रनों से हराया

नई टिहरी। 49वें सिद्धपीठ श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेला समिति की ओर से आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन का पहला मैच आगराखाल और बाजार लाइन नरेंद्रनगर के बीच खेला गया जिसमें आगराखाल की टीम ने 114 रन बनाए और जवाबी पारी में उतरी बाजार लाइन मात्र 61 रनों पर ढेर हो गई।

कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेला समिति की ओर से क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन का पहला मैच आगराखाल और बाजार लाइन नरेंद्रनगर के बीच खेला गया। आगराखाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 114 रन बनाए। जवाबी पारी में उतरी बाजार लाइन की टीम 61 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। आगराखाल की टीम की ओर से अमित कंडारी ने 53 रन का योगदान दिया। दूसरा मैच शाइनिंग स्टार और डागर के बीच खेला गया। निर्धारित ओवर में में दोनों टीम बराबर स्कोर पर रही। उसके बाद सुपर ओवर में 6 वर्गों का मैच खेला गया जिसमें डागा ड्रैगन ने छह गेंद पर छह रन बनाए। इसके जवाब में शाइनिंग स्टार केवल चार ही रन बना पाए जिससे यह मैच डागर ड्रैगन ने दो रन से जीता लिया।

प्रतियोगिता में ऋषभ चौहान और रोहित कैंतुरा अंपायर रहे। इस मौके पर तहसीलदार अयोध्या प्रसाद उनियाल, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद एएस रावत, महेश गुसाईं, राजू भारती सुरेश शर्मा, धूम सिंह नेगी, रमेश असवाल, सुरेश चंद्र बिजलवान, प्रकाश चंद्र डियूंडी, विराज भारती और डॉ. तन्वी, राहुल, राकेश बहुगुणा आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम को भव्यता देने को अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

नई टिहरी। वीरचंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिक एवं वानिकी विवि भरसार के कुलपति प्रो.परविंदर कौशल ने बताया कि 27 और 28 अक्तूबर को विवि के वानिकी महाविद्यालय रानीचौरी परिसर में आयोजित होने वाले 14 वें विचार–मंथन सत्र की तैयारियां अंतिम चरण में है। कार्यक्रम को भव्यता देने के लिए विवि के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। वीरवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुलपति प्रो.कौशल ने बताया कि उत्तराखंड में खेती की जमीन लगातार घट रही है। बंजर भूमि बढ़ रही है,जो चिंता का विषय है। ऐसे में वानिकी महाविद्यालय रानीचौरी में इंडियन एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी एसोसिएशन (आईएयूए) के संयुक्त तत्वावधान में 27 और 28 अक्तूबर को होने वाले 14 वें विचार–मंथन सत्र में इन समस्याओं पर चर्चा और समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।

सांस्कृतिक दलों ने किया फोटो जियो टैग कराने का विरोध

उत्तरकाशी। जनपद में सूचना एवं लोक संपर्क विभाग में पंजीकृत सांस्कृतिक दलों ने मुख्यालय से 250 से 300 किमी दूर कार्यक्रम आवंटित करने और कार्यक्रम की फोटो जियो टैग कराने का विरोध किया। साथ ही उन्होंने मानदेय बढ़ाने की मांग की। उन्होंने इस संबंध में डीएम के माध्यम से महानिदेशक सूचना एवं लोक संपर्क को ज्ञापन प्रेषित किया। महानिदेशक सूचना एवं लोक संपर्क विभाग को भेजे पत्र में सांस्कृतिक दलों के संचालकों ने कहा कि जनपद के सूचना एवं लोकसंपर्क विभाग में 13 सांस्कृतिक दल पंजीकृत हैं जिनके माध्यम से करीब 60 से 70 कलाकार जुड़े हैं। दलों को शासकीय प्रचार–प्रसार के लिए कार्यक्रम आवंटित किए गए हैं जिसमें जियो टैगिंग के साथ प्रतिदिन एक कार्यक्रम करने का आदेश दिया गया है।उन्होंने कहा कि पहाड़ की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए यह संभव नही है कि जियो टैगिंग के साथ फोटो की जा सके। साथ ही कई दलों को उनके मुख्यालय से 250 से 300 किमी दूरी पर कार्यक्रम आवंटित किए गए हैं। दलों को 2400 से 8400 रुपये तक ही मानदेय दिया जाता है। ऐसे में दलों के लिए यह संभव नही है कि वह पूरे सदस्यों के साथ इतनी दूरी तय कर कार्यक्रम आयोजित कर सकें।

मुखबा–खरसाली तक पहुंचने की राह नहीं आसान

– बीआरओ व राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने पत्थरों व मिट्टी से तैयार की सड़क

उत्तरकाशी। गंगा और यमुना के शीतकालीन प्रवास मुखबा और खरसाली पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की राह आसान नहीं होगी। क्योंकि आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों के स्थान पर करीब ढाई माह बाद भी वैकल्पिक व्यवस्था से ही आवाजाही हो रही है। गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर बीआरओ और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की ओर से पत्थरों और मिट्टी से सड़क तैयार की गई। उस पर चलना मुश्किल हो रहा है। मानसून सीजन के दौरान आई आपदा का असर गंगा और यमुना घाटी में देखने को मिला। इस दौरान गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे कई स्थानों पर गंगा और यमुना के तेज बहाव में बह गया था। वहीं कई स्थानों पर भू–धंसाव और भूस्खलन होने के कारण सड़कें कई दिनों तक बंद रही थी। स्थिति इतनी बदहाल थी कि गंगोत्री और यमुनोत्री धाम सहित कई क्षेत्रों का कई दिनों तक तहसील और जिला मुख्यालय से संपर्क कटा रहा। वहीं धराली आपदा के दौरान भी प्रशासनिक अमले को वहां पहुंचने में दो से तीन दिन का समय लग गया था। मानसून थमने के बाद बीआरओ और एनएच विभाग की ओर से गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर आपदा में बही सड़कों के स्थान पर पत्थरों और मिट्टी भरकर सड़क बनाकर आवाजाही शुरू करवाई। वहीं भूस्खलन वाले स्थानों पर सड़क से मलबा हटाकर अपना पल्ला झाड़ दिया लेकिन इन कच्ची सड़कों पर और भूस्खलन वाले क्षेत्रों में भी आवाजाही में खतरा बना है। गंगोत्री हाईवे पर धरासू से लेकर हर्षिल तक करीब 10 स्थानों पर भूस्खलन और कच्ची सड़क है। वहीं यमुनोत्री हाईवे पर करीब आठ स्थानों पर सड़कें बदहाल हैं। हल्की बारिश में भी यह वैकल्पिक सड़कें आवाजाही में मुसीबत बन सकती है।

भाईदूज पर खटीमा पहुंचे सीएम धामी

रुद्रपुर। भाईदूज पर्व मनाने के लिए बृहस्पतिवार सुबह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खटीमा पहुंचे। लोहियाहेड स्थित हेलीपेड पर जनप्रतिनिधियों और जनता ने उनका स्वागत किया। हेलीपेड पर मुख्यमंत्री धामी ने स्थानीय जनता से मुलाकात कर उनकी विभिन्न समस्याओं को भी सुना। उन्होंने अधिकारियों को जनता की सभी समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निस्तारण करने के निर्देश दिए। वहां पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, वीसी पंतनगर विश्वविद्यालय डॉ. मनमोहन चौहान, रंदीप पोखरिया, डीएम नितिन भदौरिया, एसएसपी मणिकांत मिश्रा, एडीएम पंकज उपाध्याय, एसपी सिटी डॉ उत्तम सिंह नेगी, एसडीएम तुषार सैनी आदि थे।

अंतर्राष्ट्रीय हिम तेंदुआ दिवस पर जन जागरूकता रैली आयोजित

चमोली। अंतर्राष्ट्रीय हिम तेंदुआ दिवस के अवसर पर गुरुवार को केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग द्वारा गोपेश्वर मुख्यालय में अलकनंदा भूमि संरक्षण वन प्रभाग के साथ मिलकर जन–जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी, स्कूली छात्र–छात्राएं, ईडीसी (एउ्छ) सदस्य एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी सर्वेश कुमार एवं उप प्रभागीय वनाधिकारी मोहन सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी सर्वेश कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए हिम तेंदुए के महत्व और इसके संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने बताया कि हिम तेंदुआ हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र का एक प्रमुख हिस्सा है तथा भारत सरकार ने इसे फ्लैगशिप स्पेसीज घोषित किया है, जिससे हिम तेंदुए के साथ–साथ संपूर्ण हिमालयी पारिस्थितिकी को भी विशेष संरक्षण प्राप्त होता है।उन्होंने बताया कि वर्तमान में देश में हिम तेंदुओं की संख्या 718 है, जबकि उत्तराखंड 124 हिम तेंदुओं के साथ देश में द्वितीय स्थान पर है। वर्ष 2019 की गणना के अनुसार नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान में 33 हिम तेंदुए पाए गए थे। इसी प्रकार केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग में भी पहली बार कैमरा ट्रैप में हिम तेंदुए की उपस्थिति दर्ज की गई है। उप प्रभागीय वनाधिकारी मोहन सिंह ने बताया कि वर्तमान में केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग द्वारा डब्लूडब्लूएफ एवं एनसीएफ के साथ एमओयू के अंतर्गत पूरे संरक्षित क्षेत्र में कैमरा ट्रैप स्थापित किए गए हैं।

कुविवि में प्रवेश को चौथी बार खोला पोर्टल

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय में इस बार स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में तय सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। स्थिति यह है कि विवि प्रशासन को चौथी बार प्रवेश पोर्टल खोलना पड़ा। आखिरी समय तक विश्वविद्यालय प्रशासन सीटें भरने के प्रयास में जुटा रहा, ताकि कोई सीट खाली न रह जाए। विवि ने निर्धारित समय में प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य रखा था, मगर अपेक्षित संख्या में आवेदन नहीं मिले। इस पर कुलसचिव डॉ. मंगल सिंह मंद्रवाल ने बताया कि इच्छुक छात्रों को अंतिम मौका देते हुए पोर्टल तीन दिन के लिए फिर खोला गया। इस अवधि में कई विद्यार्थियों ने आवेदन किया, लेकिन फिर भी कुछ सीटें खाली रह गईं। उधर, एकेडमिक कैलेंडर के मुताबिक विवि में 14 नवंबर से प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू होनी हैं।

उत्तराखंड में भ्रष्टाचार चरम पर, हर विभाग में कमिशन कल्चर का बोलबाला

देहरादून। उत्तराखंड में भ्रष्टाचार अब ऐसी जड़ें जमा चुका है कि आम जनता ही नहीं, सरकारी कर्मचारी भी इस तंत्र की चपेट में हैं।

राज्य का प्रशासनिक ढांचा आज कमिशन कल्चर की गिरफ्त में दिखाई दे रहा है, जहां बिना कमीशन के कोई फाइल आगे नहीं बढ़ती। राज्य के कई विभागों में कर्मचारी खुलकर यह स्वीकार कर रहे हैं कि किसी भी सरकारी कार्य में अब रिश्वत या कमीशन देना सिस्टम का हिस्सा बन चुका है। यदि कोई कर्मचारी अपने मेडिकल बिल का क्लेम करता है, तो फाइल पास कराने के लिए कमीशन मांगा जाता है। इसी तरह किसी योजना या सरकारी फंड के आवेदन पर भी बिना हिस्सा दिए काम नहीं होता। यहां तक कि विभागीय कर्मियों के टीए–डीए क्लेम में भी कमीशन तय है। हैरानी की बात तो यह है कि सरकारी वाहनों की सर्विसिंग तक में ड्राइवरों से कमीशन वसूला जा रहा है। यानी हर छोटा बड़ा कार्य– बिना कट के काम नहीं बनता।

सूत्रों के अनुसार, कई विभागों में कमीशन की दरें तक फिक्स कर दी गई हैं। ऊपर से लेकर नीचे तक पूरा सिस्टम इस भ्रष्टाचार की श्रृंखला से बंधा हुआ है। निचले स्तर के कर्मचारी से लेकर उच्च पदों तक यह प्रवृत्ति आम हो चुकी है, जिससे न केवल कार्य संस्कृति प्रभावित हो रही है, बल्कि राज्य की विकास योजनाओं की गति भी थम रही है।

जनता में बढ़ रहा आक्रोशः राज्यभर में आम जनता इस स्थिति से आक्रोशित है। लोग कहते हैं कि जब सरकारी कर्मचारी ही अपनी सुविधा पाने के लिए कमीशन देने को मजबूर हैं, तो आम जनता से निष्पक्षता की उम्मीद कैसे की जा सकती है।

छठ पर्व पर घर जाने वालों की भीड़ , ट्रेनें फुल

हल्द्वानी। दीपावली के बाद अब छठ पर्व पर घर जाने वालों की भीड़ से ट्रेनें पैक हैं। दिल्ली, लखनऊ कोलकाता की ओर जाने वाली ट्रेनों में सीट तक उपलब्ध नहीं है। रानीखेत एक्सप्रेस, बाघ एक्सप्रेस में वेटिंग 150–180 चल रही है। नियमित ट्रेनों के साथ फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें भी पूरी तरह भर चुकी हैं। इससे लोग घर जाने के लिए काफी परेशान हैं।

छठ पर्व आने में कुछ ही समय बचा है। पूर्वांचल समाज के लोग पर्व मनाने के लिए घर की तरफ जाने लगे हैं। इसके चलते लोगों ने ट्रेनों में एडवांस बुकिंग शुरू कर दी है। स्थिति ये है कि काठगोदाम से दिल्ली, उप्र, बिहार जाने वाली ट्रेनों में कुछ दिनों तक स्लीपर कोच के लिए आरक्षण बंद कर दिया गया है। कुछ ट्रेनों के एसी कोच में महज कुछ सीटें बची हैं। उसके लिए भी मारामारी हो रही है।

वहीं, दिल्ली की ट्रेनों में भी यात्रियों के लिए वेटिंग धीरे–धीरे लंबी होती जा रही है। बाघ एक्सप्रेस में स्लीपर और सेकेंड एसी कोच में रिग्रेट की स्थिति है। जिसका मतलब है कि इसमें और बुकिंग नहीं हो सकती। इससे परेशान यात्री घर जाने के लिए दूसरे विकल्पों में जुटे हैं। जबकि कुछ वेटिंग क्लियर होने के इंतजार में रहते हैं।

जंगल को एक डिवीजन में लाने की कवायद परवान नही चढ़ी

चम्पावत। चम्पावत जिले के जंगल को एक डिवीजन में लाने की कवायद परवान नही चढ़ सकी है। वन प्रभाग को एक डिवीजन में लाने का प्रस्ताव शासन में लटका है। चम्पावत डिवीजन का जंगल पांच जिलों में बंटा है। इससे जमीन हस्तांतरण, हक हकूक समेत अन्य कार्यो में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। चम्पावत के जंगल को एक डिवीजन के अधीन लाने की कवायद पूरी नहीं हो सकी है। लंबे समय बाद भी चम्पावत जिले के जंगल को एक प्रभाग में नहीं लाया जा सका है। इससे चम्पावत वन विभाग को तमाम दिक्कतें हो रही है। जिला बनने के बाद चम्पावत वन प्रभाग 1997 में अस्तित्व में आया था। वन प्रभाग में जगबुढ़ा पुल से घाट, सीमांत तामली से देवीधुरा के वालिक तक आने वाले जंगल को शामिल किया गया।

दून हॉस्पिटल के बाहर फायरिंग केस, पांचवां बदमाश भी सुबह अरेस्ट

दो बदमाशों का रात में हुआ था एनकाउंटर

देहरादून। राजधानी देहरादून में बीते दिनों दून हॉस्पिटल के सामने गोली चलने के मामले में फरार पांचे आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में दो आरोपियों को पुलिस ने बीती रात ही मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों के पैर में गोली थी। हालांकि इसी बीच तीसरा आरोपी फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने सुबह गिरफ्तार कर लिया। तीसरा आरोपी डोईवाला क्षेत्र से पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि हाल ही में दून अस्पताल के सामने फायरिंग की घटना हुई थी। इस दौरान एक युवक के पैर में गोली लगी थी। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज मामले की जांच शुरू की थी। पुलिस ने शुरू में दो आरोपी रोहन आर्य और विशाल तोमर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में तीन और साथियों का नाम बताया था, जो फरार चल रहे थे। कंट्रोल रूम को मिली थी सूचनाः फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की अलग–अलग टीमें लगी हुई थी। इसी बीच बुधवार रात पुलिस कंट्रोल रूम को सफेद रंग की स्कूटी के बारे में सूचना मिली। पुलिस को बताया कि स्कूटी की नंबर प्लेट पर मिट्टी लगी और उस पर तीन व्यक्ति बैठे हुए है। तीनों संदिग्ध लग रहे है और वो छिद्दरवाला से लालतप्पड़ की ओर जा रहे है। पुलिस को देख जंगल की तरफ भागे आरोपीः सूचना के आधार पर पुलिस ने बैरिकेडिंग करते हुए चेकिंग शुरू की। इसी दौरान पुलिस टीम को संदिग्ध स्कूटी छिद्दरवाला से लालतप्पड़ की ओर आते हुए दिखाई दी, जिस पर तीन संदिग्ध लोग सवार थे। जैसे ही पुलिस ने उन्हें रूकने का इशारा किया तो वो वापस मुड़कर रांग साइड से ही छिद्दरवाला की ओर वापस भागने लगे। आरोपियों ने पुलिस पर की फायरिंगः पुलिस ने भी तुरंत आरोपियों का पीछा किया। पुलिस से बचने के लिए आरोपियों ने अपनी स्कूटी काली मंदिर के निकट जंगल के कच्चे रास्ते पर उतारकर तेजी से भागने का प्रयास का किया। जंगल में करीब 100मीटर अंदर जाकर आरोपियों की स्कूटी गिर गई। तभी आरोपियों ने जान से मारने की नियत से पुलिस पर फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो आरोपियों को लगी गोलीः पुलिस की तरफ से भी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की गई। इस दौरान दो आरोपियों के पैर में गोली लगी। हालांकि इस बीच एक आरोपी मौके से भागने में कामयाब हो गया। गोली लगने के बाद पुलिस की गिरफ्त में आए दोनों आरोपियों के पास से दो तमंचे, चार जिंदा और कारतूसों के दो खोखे बरामद हुए। पुलिस पूछताछ में आरोपियों की पहचान सोहेल खान और सानू के रूप में हुई।

रुपयों के लेने–देने में दून हॉस्पिटल के सामने की थी फायरिंगः आरोपियों ने बताया कि कुछ दिन पहले उन्होंने अपने अन्य साथियों काव्यांश धामा, रोहन और विशाल के कहने पर दून अस्पताल के पास रात में दिशांत नाम के युवक, जिससे काव्यांश का पैसों के लेन देन को लेकर विवाद चल रहा था, उसको गोली मार दी थी।

उत्तराखंड बीजेपी ने जारी की प्रवक्ताओं की लिस्ट, दो वरिष्ठ विधायकों को भी दी जिम्मेदारी

देहरादून। उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अपनी एक मजबूत टीम तैयार करने में जुटी हुई है। इसी कड़ी में पहले प्रदेश कार्यकारिणी और जिलों की कार्यकारिणी का गठन किया गया तो वहीं आज प्रदेश स्तर पर प्रवक्ताओं की एक लंबी चौड़ी सूची जारी की गई है। उत्तराखंड भाजपा द्वारा जारी की गई सूची में देहरादून महानगर से पांच प्रवक्ता तो वहीं देहरादून ग्रामीण, पिथौरागढ़, काशीपुर और नैनीताल से एक–एक प्रदेश प्रवक्ता पार्टी द्वारा नियुक्त किया गया है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा जारी की गई प्रवक्ताओं की इस सूची में सबसे पहले देहरादून महानगर से विधायक खजनदास और विधायक विनोद चमोली जो की पार्टी के वरिष्ठ नेता है, इन्हें प्रदेश प्रवक्ता के तौर पर नियुक्त किया गया है। वहीं पिथौरागढ़ से मथुरा जोशी जो की हाल ही में कांग्रेस से छोड़कर भाजपा में आए थे और एक वरिष्ठ राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में उत्तराखंड में जाने जाते हैं, उन्हें भी प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा देहरादून महानगर से खजनदास और विनोद चमोली के अलावा हनी पाठक, कुंवर जपेंद्र सिंह और कमलेश रमन को भी प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई है।इसके साथ ही देहरादून ग्रामीण से भारतीय जनता पार्टी में युवा चेहरा के रूप में जाने जाने वाले नवीन ठाकुर को प्रवक्ताओं की लिस्ट में शामिल किया गया है। वही काशीपुर से गुरविंदर सिंह और नैनीताल से विकास भगत को प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने बताया कि पार्टी द्वारा काफी मंथन के बाद प्रदेश प्रवक्ताओं की सूची को जारी की हैं। उन्होंने बताया कि इन प्रवक्ताओं की जिम्मेदारी प्रदेश में बड़े राजनीतिक मुद्दों पर पार्टी के पक्ष को मीडिया के सामने रखना होता है। इसके अलावा कई बार ऐसी परिस्थितियों आती है और प्रदेश में कई ऐसे ज्वलंत मुद्दे सामने आते हैं, जिन पर कोई वरिष्ठ और अनुभवी व्यक्ति पार्टी का पक्ष जनता और मीडिया के सामने रखें। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने अपने दो वरिष्ठ विधायकों को जिन में पूर्व में मंत्री रह चुके और पार्टी में बेहद वरिष्ठ नेता खजनदास तो वही राजनीतिक मुद्दों पर अपनी महत्वपूर्ण समझ रखने वाले विधायक विनोद चमोली को जिम्मेदारी दी गई है।

इसके अलावा कांग्रेस से भाजपा में आए मथुरा दत्त जोशी भी काफी वरिष्ठ नेता है। मथुरा दत्त जोशी हर विषय पर अपनी बात को बेहद तथ्यों और सटीकता से रखने वाले व्यक्ति है। पार्टी का कहना है कि अब प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर आगे बड़ी चुनौती है। ऐसे में पार्टी के प्रवक्ता ही पार्टी के मुख्य चेहरे होते हैं और यह चेहरे बेहद गंभीर और अनुभवी होनी चाहिए।

वर्षा और हिमपात से तापमान में गिरावट

पिथौरागढ़। मौसम विभाग का पूर्वानुमान सच साबित होता नजर आ रहा है। निचले क्षेत्रों में वर्षा और ऊंची चोटियों पर हिमपात से ठंड ने दस्तक दे दी है। वर्षा और हिमपात से तापमान में गिरावट आ चुकी है। उच्च हिमालय में तीन हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाली चोटियों पर हिमपात हो चुका है।मुनस्यारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंचाचूली, राजरंभा, सिदमधार, हंसलिंग, नंदा, देवी, नंदा कोट, नागनीधुरा सहित अन्य चोटियों पर हिमपात हुआ। धारचूला से मिली जानकारी के अनुसार दारमा और व्यास की ऊंची चोटियों पर हिमपात हुआ है।

निचले क्षेत्रों में बुधवार सुबह के बाद रात्रि और गुरुवार की सुबह को भी हल्की वर्षा हुई। जिसके चलते तापमान में गिरावट आ चुकी है। इस बार समय से पूर्व ही ठंड पड़ने के आसार बने है।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com